राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 23 जुलाई 2025 वर्ष-8,अंक-154 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चंदा कोचर दोषी करार: वीडियोकॉन को लोन के बदले 64 करोड़ की रिश्वत का खुलासा

मुंबई, (एजेंसी)। आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर को एक अपीलेट ट्रिब्यूनल ने 64 करोड़ रुपए की रिश्वत लेने का दोषी पाया है। यह रिश्वत वीडियोकॉन ग्रुप को दिए गए 300 करोड़ रुपए के लोन के बदले में ली गई थी। ट्रिब्यूनल ने इसे क्विड प्रो क्वो यानी कुछ के बदले कुछ का स्पष्ट मामला बताया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुसार चंदा कोचर ने बैंक की आंतरिक नीतियों और हितों के टकराव के नियमों का उल्लंघन करते हुए यह लोन पास किया। उन्होंने अपने पति दीपक कोचर और वीडियोकॉन समूह के बीच व्यावसायिक रिश्तों को छुपाया, जो बैंकिंग नियमों के खिलाफ है। ट्रिब्यूनल की जांच में पता चला कि आईसीआईसीआई बैंक द्वारा वीडियोकॉन को लोन मंजूर करने के एक दिन बाद ही, वीडियोकॉन की एक सहयोगी कंपनी एसईपीएल से 64 करोड़ रुपए एनआरपीएल को ट्रांसफर किए गए। यह कंपनी कागजों पर वीडियोकॉन के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत की थी, लेकिन इसका असली नियंत्रण दीपक कोचर के पास था, जो इसके मैनेजिंग डायरेक्टर भी थे। ट्रिब्यूनल ने वर्ष 2020 में एक अथॉरिटी द्वारा कोचर दंपति की 78 करोड़ की संपत्ति रिलीज किए जाने के आदेश को भी गलत करार दिया। उसने कहा कि उस फैसले में अहम साक्ष्यों की अनदेखी की गई थी। ईडी द्वारा पेश की गई टाइमलाइन और दस्तावेजों को ट्रिब्यूनल ने मजबूत और विश्वसनीय माना है। यह फैसला बैंकिंग क्षेत्र में नैतिकता और जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

मुंबई ट्रेन सीरियल ब्लास्ट मामला: फडणवीस सरकार पहुंची सुप्रीम कोर्ट, 24 जुलाई को सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2006 के मुंबई लोकल ट्रेन सीरियल बम धमाकों में बॉम्बे हाईकोर्ट द्वारा 12 आरोपियों को बरी किए जाने के फैसले को महाराष्ट्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। इस अपील पर सुप्रीम कोर्ट 24 जुलाई को सुनवाई करेगा।

राज्य सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि यह मामला अत्यंत गंभीर और महत्वपूर्ण है। उन्होंने कोर्ट से जल्द सुनवाई की मांग करते हुए कहा, जज साहब, यह केस राज्य सरकार के लिए काफी अहम है। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 24 जुलाई की तारीख तय कर दी।

क्या है मामला?

दरअसल 11 जुलाई 2006 की शाम को मुंबई की लोकल ट्रेनों में मात्र 11 मिनट के भीतर 7 अलग-अलग स्थानों पर बम धमाके हुए थे। इन विस्फोटों में 189 लोगों की मौत और 827 से अधिक लोग घायल हुए थे। यह देश के इतिहास के सबसे भयावह आतंकी हमलों में से एक था। इस केस में नवंबर 2006 में चार्जशीट दाखिल की गई। 2015 में ट्रायल कोर्ट (विशेष टाडा अदालत) ने 12 आरोपियों को दोषी ठहराया था। इसमें 5 को फांसी और 7 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। इसके बाद इन सभी ने हाईकोर्ट में अपील की थी।

विमान हादसे में पायलट की भूमिका को लेकर भारतीय और विदेशी मीडिया में उठाए जा रहे सवाल बेबुनियाद - राम मोहन नायडू

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान हादसे की जांच को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब देते हुए नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने राज्य सभा में साफ किया कि हादसे की जांच पूरी तरह भारत में ही हो रही है। उन्होंने कहा कि पहले ब्लैक बॉक्स में छोटी-सी गड़बड़ी भी आती थी तो उसे डिकोड करने के लिए निर्माता के पास विदेश भेजा जाता था। पहली बार भारत ने तय किया कि ब्लैक बॉक्स को पूरी तरह भारत में ही डिकोड किया जाएगा। मंत्री राममोहन नायडू ने कहा कि एयरक्राफ्ट एव ?सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब?यूरो ने ब्लैक बॉक्स से पूरे डेटा को डिकोड करने में कामयाबी हासिल की है, जो पहले बाहर से देखने पर लग रहा था कि खराब हो चुका है। ये जांच इंटरनेशनल प्रोटोकॉल के मुताबिक निष्पक्ष तरीके से चल रही है। उन्होंने ये भी कहा कि विमान हादसे में पायलट की भूमिका को लेकर भारतीय और विदेशी मीडिया में उठाए जा रहे सवाल बेबुनियाद हैं।

बिहार में एक अगस्त को आएगी ड्राफ्ट मतदाता सूची, करीब 50 लाख मतदाताओं पर संशय

पटना (एजेंसी)। (ईएमएस)। बिहार में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआई) प्रक्रिया के तहत अब तक 97.30ब मतदाताओं ने अपना विवरण जमा कर दिया है। चुनाव आयोग के मुताबिक, सिर्फ 2.70ब मतदाता ही ऐसे हैं जिन्होंने अभी तक नाम जोड़ने या सुधार के लिए फॉर्म नहीं भरा है। चुनाव आयोग ने यह भी बताया कि यह ड्राफ्ट मतदाता सूची एक अगस्त 2025 को प्रकाशित की जाएगी। 21 जुलाई 2025 तक की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव कर्मियों ने घर-घर जाकर मतदाताओं की जांच की। इस दौरान पता चला कि, राज्य के 52.30 लाख मतदाता अपने पते पर मौजूद नहीं मिले। वहीं, 18.5 लाख मतदाता ऐसे पाए गए जिनकी मृत्यु हो चुकी है। जबकि 26 लाख लोगों ने अपना पता स्थायी रूप से बदल लिया है। लगभग 7.5 लाख मतदाता भी किसी न किसी वजह से अपने पते पर नहीं पाए गए। इस विशेष पुनरीक्षण का मकसद है कि मतदाता सूची को साफ और सही बनाया जाए ताकि कोई फर्जी नाम या दोहराव न हो। साथ ही जिन लोगों की मृत्यु हो गई है या जो कहीं और चले गए हैं, उनके नाम सूची से हटाए जा सकें।

धनखड़ के इस्तीफे के बाद राष्ट्रपति से मिले उपसभापति हरिवंश को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफे के बाद राजधानी दिल्ली में सियासी हलचल तेज हो गई है। इसी बीच मंगलवार को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की, जिससे कई तरह के राजनीतिक कयास लगाए जा रहे हैं।

मंगलवार को राष्ट्रपति भवन की ओर से एक तस्वीर जारी की गई जिसमें राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात करते नजर आए हैं। तस्वीर के साथ बतौर कैप्शन लिखा गया, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।

नियमानुसार राज्यसभा में सभापति का पद खाली होने के बाद हरिवंश नारायण सिंह ने कार्यवाहक सभापति की जिम्मेदारी संभाल ली है। अब जब तक नए उपराष्ट्रपति का चुनाव नहीं हो जाता, वही सभापति की भी जिम्मेदारी निभाएंगे। इसके साथ ही हरिवंश को उपराष्ट्रपति पद के लिए भी मजबूत चेहरा माना जा रहा है। वो इसलिए भी क्योंकि वह जेडीयू की पृष्ठभूमि से आते हैं। इसके साथ ही उनके रिश्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार की सीएम नीतीश कुमार से अच्छे हैं। ऐसे में इस बात से इनकार भी नहीं किया जा सकता कि वे उपराष्ट्रपति पद के दामदार उम्मीदवार हो सकते हैं। बहरहाल नियम के अनुसार चुनाव आयोग कभी भी उपराष्ट्रपति चुनाव का नोटिफिकेशन जारी कर सकता है। अब यदि चुनाव होता भी है तो एनडीए की स्थिति मजबूत है। इस चुनाव में राज्यसभा और लोकसभा के सांसद मतदान करते हैं। दोनों सदनों में कुल 786 सदस्य हैं। इस स्थिति में जीत के लिए कम से कम 394 मतों की आवश्यकता होगी।

राज्यसभा की कमान अब हरिवंश के हाथ

धनखड़ के इस्तीफे के साथ ही राज्यसभा के सभापति पद भी स्वतः रिक्त हो गया है, क्योंकि उपराष्ट्रपति पदेन सभापति होते हैं। ऐसे में अब राज्यसभा की कार्यवाही उपसभापति हरिवंश के नेतृत्व में चलेगी। राष्ट्रपति की ओर से किसी वरिष्ठ सदस्य को भी अस्थायी रूप से यह जिम्मेदारी दी जा सकती है।

सोमवार तक सक्रिय रहे धनखड़

ध्यान देने योग्य बात यह है कि इस्तीफे से ठीक पहले सोमवार को धनखड़ पूरे दिन संसद में सक्रिय रहे। उन्होंने विपक्ष को सदन को संवाद और विमर्श का मंच बनाने की नसीहत दी। दोपहर बाद जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को लेकर स्थिति स्पष्ट की। जस्टिस शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग नोटिस में एक सांसद के दोहरे दस्तखत पर जांच बैठाने की भी घोषणा की थी।

तबीयत बिगड़ने के मिलते रहे संकेत

हालांकि धनखड़ संसद में सक्रिय नजर आ रहे थे, लेकिन बीते कुछ महीनों से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से जूझ रहे थे। मार्च में उन्हें एम्स में भर्ती कराना पड़ा था। जून में नैनीताल में कार्यक्रम के दौरान वे मंच पर बेहोश हो गए थे। जुलाई में एलजी वीके सक्सेना के साथ एक कार्यक्रम में भी उनकी तबीयत बिगड़ी, जहां पत्नी सुदेश ने उन्हें पानी पिलाया था।

धनखड़ का इस्तीफा संसद के मानसून सत्र के पहले दिन आया, जिससे राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई। अब जबकि उपसभापति हरिवंश ने राष्ट्रपति से मुलाकात की है तो यही कहा जा रहा है कि उन्हें कोई बड़ी जिम्मेदारी मिलने वाली है।

199 करोड़ रुपये की आयकर मांग पर कांग्रेस को बड़ा झटका, ट्रिब्यूनल ने खारिज कर दी अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी को झटका देते हुए, आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) ने वर्ष 2017-18 के लिए कर मांग के खिलाफ उसकी अपील खारिज कर दी। पार्टी ने आयकर विभाग के उस नोटिस का विरोध किया था जिसमें उसे 199 करोड़ रुपये से अधिक की आय पर कर चुकाने को कहा गया था। कांग्रेस का दावा था कि यह राशि दान से आई है और इसे कर से मुक्त रखा जाना चाहिए। हालाँकि, पार्टी निर्धारित तिथि तक अपना कर रिटर्न दाखिल करने में विफल रही। आयकर न्यायाधिकरण ने कर अधिकारियों के निर्णय को बरकरार रखते हुए कहा कि पार्टी को उस वित्तीय वर्ष के दौरान प्राप्त दान पर आयकर का भुगतान करना होगा।

कांग्रेस पार्टी ने 2 फ़रवरी, 2019 को अपना आयकर दाखिल किया और आयकर अधिनियम की धारा 13ए के तहत 199.15 करोड़ रुपये की छूट का दावा करने के बाद शून्य आय घोषित की। हालाँकि, यह आयकर धारा 139 के तहत निर्धारित निर्धारण वर्ष 2018-19 के लिए 31 दिसंबर, 2018 की विस्तारित नियत तिथि के बाद दाखिल किया गया था। सितंबर 2019 में जाँच के दौरान, निर्धारण अधिकारी ने पाया कि पार्टी ने प्रति दानदाता 2,000 रुपये से अधिक 14.49 लाख रुपये नकद दान स्वीकार किए थे, जो धारा 13ए(डी) का उल्लंघन करता है, जिसके अनुसार वित्त अधिनियम 2017 में संशोधन के बाद ऐसे सभी दान बैंकिंग माध्यमों से प्राप्त किए जाने चाहिए।

कई राज्यों में हुई तबाही की बारिश, किसी की जान गई तो किसी का बह गया सपनों का घर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली,(ईएमएस)। बारिश का सीजन जहां खेती किसानी के लिए अति आवश्यक है वहीं यदि रौद्र रुप धारण कर ले तो बारिश तबाही भी मचा देती है। इस बार बारिश में कई ऐसे राज्य हैं जहां भारी तबाही हुई है। कईयों की जान चली गई तो कई लोगों के सपनों का घर पानी में बह गया। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में सोमवार को भूस्खलन व मूसलाधार बारिश ने कहर बरपाया, जिससे पांच साल के एक बच्चे सहित 4 लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में वैष्णो देवी मंदिर के पुराने मार्ग पर भारी भूस्खलन हुआ जिससे 70 साल के एक तीर्थयात्री की मौत हो गई और 9 लोग घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि कटरा शहर में तेज बारिश से भूस्खलन हुआ जिसकी वजह से एक बुकिंग कार्यालय और उसके ऊपर बना लोहे का ढांचा ढह गया। मौसम विभाग के अनुसार, कटरा शहर में पिछले 24 घंटों में 184.2 मिमी बारिश हुई है। जम्मू में भूस्खलन की चपेट में आने से एक पुलिस अधिकारी घायल हो गया। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में भारी बारिश के कारण सुताह गांव में एक मकान के ऊपर चट्टान गिर गई, जिससे नवविवाहित दंपति की मौत हो गई। उनकी पहचान सनी और पल्लू के रूप में की गई है। राज्य में भारी बारिश के कारण 471 सड़कें अवरुद्ध हो गई हैं। विद्यालयों को बंद कर दिया गया है और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। राज्य के मौसम विभाग ने शिमला, कांगड़ा, चंबा, सिरमौर और मंडी सहित राज्य के 12 जिलों में से पांच में बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। हिमाचल के मंडी जिले में बारिश के कारण 242 सड़कें अवरुद्ध पड़ी हैं। राज्य में 20 जून को मॉनसून की शुरुआत होने के बाद से बारिश से संबंधित घटनाओं में 72 लोगों की मौत हो गई है और 34 लोग लापता हैं। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार शाम को आसमान में बादल छाए रहे और रिज व प्रगति मैदान सहित कई इलाकों में बारिश हुई। आईएमडी ने मंगलवार को दिल्ली में आमतौर पर बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने का अनुमान जताया है। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश~32 और 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। सोमवार को सफदरजंग बेस स्टेशन पर शहर का न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अधिकतम तापमान 33.6 डिग्री सेल्सियस रहा। दिल्ली में सुबह आर्द्रता का स्तर 83 प्रतिशत रहा जो काफी अधिक है।

आईएमडी ने 24 जुलाई को उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना जताई है, जिसके कारण पश्चिम बंगाल के दक्षिणी हिस्से के कुछ जिलों में 23 से 27 जुलाई तक भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है। दक्षिण बंगाल के दक्षिण 24 परगना, पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर, बांकुड़ा, पुरुलिया, झारग्राम और हुगली जिलों में इस दौरान भारी से बहुत भारी वर्षा होगी। उत्तर बंगाल में दार्जिलिंग, कलिम्पोंग, जलपाईगुड़ी और अलीपुरद्वार में 25 जुलाई से 27 जुलाई के बीच भारी बारिश का अनुमान है।

संसद मानसून सत्र: विपक्ष का बिहार वोटर लिस्ट मुद्दे पर संसद में प्रदर्शन

सरकार का पलटवार, लोकसभा-राज्यसभा बुधवार तक के लिए स्थगित, हंगामे की भेंट चढ़ी संसद की कार्यवाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को लोकसभा-राज्यसभा में भारी हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दों पर पीएम नरेंद्र मोदी से जवाब देने को कहा और सदन में चर्चा की मांग की। विपक्ष ने बिहार में वोटर्स लिस्ट की जांच, स्पेशल इंटेसिव रिविजन पर भी जमकर विरोध किया। इसके कारण संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही 23 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा और राज्यसभा की बैठक बुधवार को सुबह 11 बजे फिर से होगी।

मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही मिनट बाद दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, लेकिन कुछ ही देर बाद दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव सहित कई नेताओं ने मकर द्वार पर संसद भवन की सीढ़ियों पर खड़े होकर बिहार बिहार वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। विपक्ष इसे रोकने की मांग कर रहा है। इसी तरह, राज्यसभा में विपक्षी सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर चर्चा की मांग करते हुए नारे लगाए। विपक्ष पर निशाना साधते हुए केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष विरोध प्रदर्शन करके जनता का पैसा बर्बाद कर रहा है।

भारत ने मालदीव के रक्षा मंत्रालय का नया भवन बनवा कर चीन को साफ और स्पष्ट संकेत दे दिया है, मोदी कर सकते हैं इस बिल्डिंग का उद्घाटन

- पीएम मोदी 23 से 26 जुलाई तक यूके और मालदीव की राजकीय यात्रा पर रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और मालदीव के बीच संबंधों का ऐतिहासिक आधार हाल में कई उतारों को देखने के बाद अब चढ़ाव की राह पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति के तहत भारत ने मालदीव के साथ रक्षा, अवसंरचना और आर्थिक सहयोग को नई ऊँचाई दी है। इसी कड़ी में भारत सरकार के सहयोग से मालदीव के रक्षा मंत्रालय का नया भवन तैयार हुआ है, जो केवल एक इमारत नहीं, बल्कि दोनों देशों के बीच रक्षा और कूटनीतिक संबंधों के सुदृढ़ भविष्य का प्रतीक है। माले में स्थित रक्षा मंत्रालय भवन को आधुनिक तकनीक, ऊर्जा दक्षता और हरित निर्माण की अवधारणा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। भवन में अत्याधुनिक सुरक्षा व्यवस्था, स्मार्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर और रक्षा प्रबंधन के अनुकूल तकनीकी सुविधाएं शामिल हैं। हम आपको बता दें कि भारत ने इस परियोजना के लिए वित्तीय सहायता, तकनीकी परामर्श और निर्माण विशेषज्ञता उपलब्ध करायी। हम आपको बता दें कि मालदीव हिंद महासागर में भारत का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार है। उसकी रक्षा क्षमताओं का सशक्त होना भारत के लिए भी जरूरी है क्योंकि इससे समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद रोधी अभियान और आपदा प्रबंधन में दोनों देशों के बीच समन्वय और मजबूत होगा। यह नया रक्षा मंत्रालय भवन मालदीव की सैन्य तैयारी और संस्थागत मजबूती को नया आधार देगा। हम आपको बता दें कि यह परियोजना भारत की उस भूमिका को भी रेखांकित करती है जिसमें वह हिंद महासागर क्षेत्र (ढ्ढह्रक्र) में 'नेट सिक्योरिटी प्रोवाइडर' के रूप में स्वयं को स्थापित कर रहा है। भारत पहले भी मालदीव को रक्षा उपकरण, प्रशिक्षण और तटीय निगरानी प्रणाली प्रदान कर चुका है। नया मंत्रालय भवन इस रक्षा सहयोग की भौतिक अभिव्यक्ति है। इससे मालदीव की सशस्त्र सेनाओं का मनोबल भी बढ़ेगा और भारत के प्रति उनका भरोसा और गहरा होगा। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी मालदीव यात्रा के दौरान इस भवन का उद्घाटन करेंगे। प्रभासाक्षी के सवाल के जवाब में विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा भी है कि सभी औपचारिकताएं और कार्य समय पर पूरे हो गये तो निश्चित रूप से ऐसा हो सकता है। हम आपको बता दें कि इस भवन के उद्घाटन के साथ ही मालदीव को यह स्पष्ट संदेश भी मिलेगा कि भारत उसका सबसे भरोसेमंद और स्थायी मित्र है। चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच यह परियोजना भारत की 'सॉफ्ट पावर डिप्लोमेसी' का सशक्त उदाहरण भी है। इससे दक्षिण एशिया में भारत की प्राथमिकता और उपस्थिति को मजबूती मिली है।

हमारे धर्म की हानि करके आपके धर्म का उत्थान नहीं हो सकता: मोहन भागवत

नई दिल्ली (एजेंसी)।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि हमारे धर्म की हानि करके आपके धर्म का उत्थान नहीं हो सकता। भारत में अलग पंथ-संप्रदाय होने के बावजूद झगड़ा नहीं होता है। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय में आयोजित अणुव्रत न्यास निधि व्याख्यान में भागवत ने पढ़ाए जाने वाले इतिहास पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हमारे यहां पश्चिम का इतिहास पढ़ाया जाता है लेकिन पश्चिम में भारत का इतिहास नहीं पढ़ाया जाता। हालांकि अब सुन रहा हूं कि भारत में भी इतिहास बदला जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आज अमीरी और गरीबी की खाई बढ़ गई है। दुनिया में भय बढ़ गया है। सारी दुनिया अलग-अलग है। इसे जोड़ने वाला कुछ नहीं है। इससे लगता है कि सारी दुनिया एक सौदा है। जिसका जब तक उपयोग है, तब तक उसे लोग रखते हैं। जिसकी लाठी, उसकी भैंस। जो बलशाली होगा, उसका राज होगा। लोग यही सोचते हैं कि जब तक मरते नहीं, तब तक उपभोग करो, यही जीवन का लक्ष्य है। इसी कारण दुनिया में दुख पैदा होता है।

उन्होंने कहा कि भारत का होना है तो भारत के स्वभाव के मुताबिक होना पड़ेगा। भौतिकता के आगे जाना पड़ेगा। भागवत ने कहा कि लोगों को सोचना होगा कि एक धर्म की हानि करके दूसरा धर्म नहीं चल सकता। ये बात हमारे पूर्वजों ने कही थी कि जो हम करेंगे, उसके परिणाम सब पर पड़ेंगे। मेरे धर्म की हानि होने पर आपका धर्म नहीं चल सकता। जहां ऐसी समस्या आती है, वहां खुद का त्याग करके हमने दूसरों के धर्म को चलाया है।

भारतीयता में स्वयं का त्याग करके दूसरों की रक्षा करने की भावना किस तरह निहित है, यह दर्शाने के लए उन्होंने एक उदाहरण देते कहा कि एक बार एक कबूतर ने बाज से बचने के लिए राजा के पास शरण ली। तब राजा ने कबूतर के बराबर अपना मांस बाज को दिया था। यही भारतीयता है।

मोहन भागवत ने अपने व्याख्यान में कहा कि दुनिया में सब शोषण के शिकार हैं। यही वजह कि सभी भारत की तरफ देखते हैं। हमारा मानना है कि किसी को मत जीतो, केवल अपने आपको जीतो। ये पूरी दुनिया में कहीं नहीं होता है, ये केवल भारत में होता है। संघ प्रमुख ने कहा कि भारत दुनिया का सिरमौर था क्योंकि भारत की अपनी दृष्टि है। दुनिया देखती है कि नया रास्ता कौन देगा, वो भारत देगा। परिवार मनुष्य के आचरण से बनता है। अपनी छोटी-छोटी बातें ठीक करनी चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑनलाइन भुगतान के मामले में भारत के यूपीआई ने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ा

यूपीआई पेमेंट सिस्टम के माध्यम से ओनलाइन बैंकिंग व्यवहार चुटकी बजाते ही हो जाते है। आज सब्जी वाले, चाय वाले, सहायता प्राप्त करने वाले नागरिक एवं छोटी छोटी राशि के आर्थिक व्यवहार करने वाले नागरिकों के लिए यूपीआई सिस्टम ने ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार करने को बहुत आसान बना दिया है। आज भारत के यूपीआई सिस्टम के माध्यम से प्रतिदिन 65 करोड़ से अधिक व्यवहार (1800 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रति माह) हो रहे हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वीजा कार्ड से माध्यम से प्रतिदिन 63.9 करोड़ व्यवहार हो रहे हैं।

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

हाल ही के समय में भारत, विभिन्न क्षेत्रों में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नित नए रिकार्ड बना रहा है। कुछ क्षेत्रों में तो अब भारत पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने बैंकिंग व्यवहारों के मामले में तो जैसे क्रांति ही ला दी है। अभी हाल ही में आर्थिक क्षेत्र में बैंकिंग व्यवहारों के मामले में भारत के यूनफाईड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने अमेरिका के 67 वर्ष पुराने वीजा एवं मास्टर कार्ड के पेमेंट सिस्टम को प्रतिदिन होने वाले आर्थिक व्यवहारों की संख्या के मामले में वैश्विक स्तर पर पीछे छोड़ दिया है। वैश्विक स्तर पर अब भारत विश्व का सबसे बड़ा रियल टाइम पेमेंट नेटवर्क बन गया है। भारत में वर्ष 2016 के पहिले ऑनलाइन पेमेंट का मतलब होता था केवल वीजा और मास्टर कार्ड। वीजा और मास्टर कार्ड को चलाने वाली अमेरिका की ये दोनों कंपनिया पूरी दुनिया में ऑनलाइन पेमेंट का एकाधिकार रखती थीं। वीजा की शुरुआत, अमेरिका में वर्ष 1958 में हुई थी और धीमे धीमे यह कंपनी 200 से अधिक देशों में फैल गई और ऑनलाइन भुगतान के मामले में पूरे विश्व पर अपना एकाधिकार जमा लिया। वैश्विक स्तर पर इस कम्पनी को चुनौती देने के उद्देश्य से भारत ने वर्ष 2016 में अपना पेमेंट सिस्टम, यूपीआई के रूप में, विकसित किया और वर्ष 2025 आते आते भारत का यूपीआई सिस्टम आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। यूपीआई पेमेंट सिस्टम के माध्यम से ओनलाइन बैंकिंग व्यवहार चुटकी बजाते ही हो जाते है। आज सब्जी वाले, चाय वाले, सहायता प्राप्त करने वाले नागरिक एवं छोटी छोटी राशि के आर्थिक व्यवहार करने वाले नागरिकों के लिए यूपीआई सिस्टम ने ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार करने को बहुत आसान बना दिया है। आज भारत के यूपीआई सिस्टम के माध्यम से प्रतिदिन 65 करोड़ से अधिक व्यवहार (1800 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रति माह) हो रहे हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वीजा कार्ड से माध्यम से प्रतिदिन 63.9 करोड़ व्यवहार हो रहे हैं। इस प्रकार, भारत के यूपीआई ने दैनिक व्यवहारों के मामले में 67 वर्ष पुराने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ दिया है। भारत में केंद्र सरकार की यह सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। भारत अब इस मामले में पूरी दुनिया का लीडर बन गया है। भारत ने यह उपलब्धि केवल 9 वर्षों में ही प्राप्त की है। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम की अत्यधिक प्रशंसा करते हुए कहा है कि यह नई तकनीकी का चमत्कार है एवं यह सिस्टम अत्यधिक प्रभावशाली है। भारत का यूपीआई सिस्टम भारत को वैश्विक बैंकिंग नक्शे पर एक बहुत बड़ी शक्ति बना सकता है।

भारत में यूपीआई की सफलता की नींव दरअसल केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई कई आर्थिक योजनाओं के माध्यम से पड़ी है। समस्त नागरिकों के आधार कार्ड बनाने के पश्चात जब आधार कार्ड को नागरिकों के बैंक खातों से जोड़ा गया और केंद्र सरकार द्वारा देश के गरीब वर्ग की सहायता के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि को सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा किया जाने लगा तब एक सुदृढ़ पेमेंट सिस्टम की आवश्यकता महसूस हुई और ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई का जन्म वर्ष 2016 में हुआ। यूपीआई को आधार कार्ड एवं प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत बैंकों में खोले गए खातों से जोड़ दिया गया। नागरिकों के मोबाइल क्रमांक और आधार कार्ड को बैंक खातों से जोड़कर यूपीआई सिस्टम के माध्यम से आर्थिक एवं लेन-देन व्यवहारों को आसान बना दिया गया। भारत में आज लगभग 80 प्रतिशत युवा एवं बुजुर्ग जनसंख्या का विभिन्न बैकों के खाता खोला जा चुका है। यूपीआई के माध्यम से केवल कुछ ही मिनटों में एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में राशि का अंतरण किया जा सकता है। ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई के आने के बाद तो अब भारत के नागरिक एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड को भी भूलने लगे हैं।

भारत से बाहर अन्य देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक भी अपनी बचत को यूपीआई के माध्यम से अपने परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में ऑनलाइन राशि का अंतरण चंद मिनटों में कर सकते हैं। पूर्व में, बैंकिंग चेनल के माध्यम से एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक

खाते में राशि का अंतरण करने में 2 से 3 दिन का समय लग जाता था तथा विदेशी बैकों द्वारा इस प्रकार के अंतरण राशि पर खर्च भी वसूला जाता है। अब यूपीआई के माध्यम से कुछ ही मिनटों में राशि एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में अंतरित हो जाती है। इससे भारतीय रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण भी हो रहा है। विश्व के अन्य देशों में पढ़ाई के लिए गए छात्रों को अपने खर्च चलाने एवं विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में फीस की राशि यूपीआई सिस्टम से जमा कराने में बहुत आसानी होगी। जिस भी देश में भारतीय मूल में नागरिकों की संख्या अधिक है उन देशों में भारत के यूपीआई सिस्टम को लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आज 13,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि इन देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिकों द्वारा प्रतिवर्ष भारत में भेजी जा रही हैं। वैश्विक स्तर पर भारत के यूपीआई सिस्टम की स्वीकार्यता बढ़ने से अमेरिकी डॉलर पर भारत की निर्भरता भी कम होगी, इससे भारतीय रुपए की मांग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगी और डीडोलराईजेशन की प्रक्रिया तेज होगी।

भारत ने यूपीआई के प्रतिदिन होने वाले व्यवहारों की संख्या के मामले में आज अमेरिका, चीन एवं पूरे यूरोप को पीछे छोड़ दिया है। वर्तमान में भारत के यूपीआई सिस्टम का विश्व के 7 देशों यथा यूनाइटेड अरब अमीरात, फ्रान्स, ओमान, मारीशस, श्रीलंका, भूटान एवं नेपाल में उपयोग हो रहा है। इन देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक यूपीआई के माध्यम से सीधे ही भारत के साथ आर्थिक व्यवहार कर रहे हैं। दक्षिणपूर्वीय देशों यथा मलेशिया, थाइलैंड, फिलिपींस, वियतमान, सिंगापुर, कम्बोडिया, दक्षिण कोरिया, जापान, ताईवान एवं हांगकांग आदि भी भारत के यूपीआई सिस्टम के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहे हैं। यूनाइटेड किंगडम, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीयन देशों ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू करने की इच्छा जताई है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की साइप्रस एवं नामीबिया यात्रा के दौरान इन दोनों देशों ने भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में शुरू करने के लिए भारत से निवेदन किया है। पूरे विश्व में अब कई देशों का विश्वास भारत के यूपीआई सिस्टम पर बढ़ रहा है और यदि ये देश भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू कर देते हैं तो इससे भारत में विदेशी निवेश की राशि में भी तेज गति से वृद्धि होने की सम्भावना बढ़ जाएगी।

संपादकीय

मेले में अकेला

विश्व स्वास्थ्य संगठन की वह रिपोर्ट चौंकाती है कि दुनिया में हर छठा इंसान अकेला है। दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवाद से विलग होकर नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। सही मायनों में इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियां लील रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। निश्चय ही जीवन की जटिलताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। पीढ़ियों के बीच का अंतराल विज्ञान व तकनीक के विस्तार के साथ तेज हुआ है। सोच के भौतिकवादी होने से हमारी आकांक्षाओं का आसमान ऊंचा हुआ है। लेकिन यथार्थ से साम्य न बैठा पाने से हताशा व अवसाद का विस्तार हो रहा है। जिसके चलते निराशा हमें एकाकीपन की ओर धकेल देती है। कहने को तो सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है। हो सकता है किसी व्यक्ति के हजारों मित्र सोशल मीडिया मंचों पर हों, लेकिन यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल एकाकी होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता। निश्चित रूप से कृत्रिम रिश्ते हमारे वास्तविक रिश्तों के ताने-बाने को मजबूत नहीं कर सकते। दरअसल, लोगों में यह आम धारणा बलवती हुई है कि जिसके पास पैसा है तो वह सबकुछ कर सकता है। जिसके चलते उसने आस-पड़ोस से लेकर कार्यस्थल पर सीमित पहुंच बनायी है। यही वजह है कि हमारे इर्द-गिर्द की भीड़ और ऑनलाइन जिंदगी के हजारों मित्रों के बावजूद व्यक्ति एकांत में जीने के लिये अभिशप्त है। सही बात ये है कि लोग किसी के कष्ट और मन की पीड़ा के प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करते। हर तरफ कृत्रिमताओं का बोलबाला है। हमारे मिलने-जुलने वाले त्योहार भी अब दिखावे व कृत्रिम सौगातों की भेंट चढ़ गए हैं। हमें उन कारकों पर मंथन करना होगा, जिनके चलते व्यक्ति निजी जीवन में लगातार एकाकी होता जा रहा है। विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। कालांतर व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना लगा है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप भी इसके मूल में है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग किसी झटके या दबाव को सहजता से झेल जाते थे। सब मिल-जुलकर आर्थिक व सामाजिक संकटों का मुकाबला कर लेते थे। शहरों की महंगी जिंदगी और कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना संकट को गहरा बना रहा है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। धीरे-धीरे यह एकाकीपन अवसाद तक पहुंचता है। जो कालांतर एक ऐसे मनोरोग का रूप ले लेता है, जिसका उपचार कराने में भी पीड़ित व्यक्ति संकोच करने लगता है। इस स्थिति से व्यक्ति की वापसी सहज भी नहीं होती। जब हम डब्ल्यूएचओ के आंकड़े की बात करते हैं कि दुनिया में हर छठा व्यक्ति अकेलेपन की गिरफ्त में है तो उस कुल संख्या का अनुमान लगाना कठिन नहीं है, जो वास्तव में इससे पीड़ित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का वह आंकड़ा चौंकाता है कि अकेलापन हर साल तकरीबन आठ लाख लोगों की जीवन लीला समाप्त कर रहा है। जो यह दर्शाता है कि व्यक्ति न केवल समाज व अपने कार्यालयी परिवेश से अलग-थलग हुआ है, बल्कि वह परिवार से भी कटा है। पिछले दिनों देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने कार्यालयों में काम के घंटे बढ़ाने का आग्रह किया था।

सावन शिवरात्रि- भस्म, डमरू और त्रिनेत्रधारी शिव की अर्चना का पुण्यकाल

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(सावन शिवरात्रि (23 जुलाई) पर विशेष)

शिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। हालांकि पूरे साल मनाई जाने वाली इन शिवरात्रियों में से दो की मान्यता सर्वाधिक है, फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि। प्रायः जुलाई या अगस्त माह में मानसून के सावन महीने में मनाई जाने वाली सावन शिवरात्रि को कांवड़ यात्रा का समापन दिवस भी कहा जाता है। मान्यता है कि जो भी भक्त इस दिन भगवान शिव अथवा शिवलिंग पर जल अर्पित करता है, भोलेनाथ उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। इस साल सावन शिवरात्रि का पर्व 23 जुलाई को मनाया जा रहा है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 23 जुलाई को सुबह 4 बजकर 39 मिनट पर हो रही है और यह तिथि अगले दिन यानी 24 जुलाई को अर्धरात्रि में 2 बजकर 24 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में श्रद्धालु शिवरात्रि पर ब्रह्म मुहूर्त में भी भगवान शिव का जलाभिषेक कर सकते हैं।

विभिन्न हिन्दू तीर्थ स्थानों से गंगाजल भरकर शिवभक्त अपने स्थानीय शिव मंदिरों में इस पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन तीर्थस्थलों के गंगाजल से जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। सावन शिवरात्रि के दिन व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान और लोभ से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह व्रत कुंवारी कन्याओं के लिए श्रेष्ठ माना गया है और यह व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान तथा लोभ से भी मुक्ति मिलती है।

सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है? इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं।

शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे।

एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं।

बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

विचार मंथन

उपराष्ट्रपति धनखड़ का इस्तीफा एक बड़ा धमाका

(लेखक- सनत जैन)

संसद के मानसून सत्र के पहले ही दिन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेज दिया, जिसे स्वीकार कर लिया गया। उनके कार्यकाल को 2 साल बाकी थे। जिस आश्चर्यजनक तरीके से उनका इस्तीफा सामने आया, उसके बाद तरह-तरह की अटकलों का दौर शुरू हो गया है। धनखड़ ने अपना इस्तीफा स्वास्थ्य कारणों से देने की बात कही है। राजनीतिक हल्का में यह बात किसी को पच नहीं रही है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने जिस तरह से न्यायपालिका के खिलाफ मोर्चा खोला था, वह संसद को सर्वोपरि बता रहे थे। राष्ट्रपति और राज्यपाल को लेकर जो फैसला सुप्रीम कोर्ट ने दिया था, उसके बाद से वह लगातार सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का विरोध कर रहे थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर यादव वाले मामले में विपक्षी सांसदों द्वारा महाभियोग का प्रस्ताव दिया गया था, उस पर उन्होंने कोई कार्यवाही नहीं की थी। सांसदों के हस्ताक्षर अभी तक प्रमाणित नहीं हुए और यह मामला ठंडा बस्ते में पड़ा हुआ था। इसी बीच दिल्ली हाईकोर्ट से स्थानांतरित इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव स्वीकार करते हुए उसमें कार्रवाई आगे बढ़ा दी थी। लोकसभा और राज्यसभा के 215 सांसदों ने यशवंत वर्मा के महाभियोग प्रस्ताव के खिलाफ हस्ताक्षर किए थे। दोनों सदनों में इसे स्वीकार कर लिया गया था। धनखड़ लगातार सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ बोलते हुए, हर जगह कह रहे थे, संसद ही सर्वोपरि है। राष्ट्रपति ने जिन 14 मुद्दों पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की राय मांगी थी, उस पर सुप्रीम कोर्ट ने पांच जजों की खंडपीठ गठित कर इस मामले की सुनवाई करने की अधिसूचना जारी कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों की बार वरिष्ठ अधिवक्ताओं जो भी पक्ष इस बहस में शामिल होना चाहे उसके लिए अधिसूचना जारी की है। इसको लेकर सरकार और सुप्रीम कोर्ट के बीच की लड़ाई ऐसे निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है जहां पर सरकार को भारी परेशानी हो सकती है। राजनीतिक हलके में व्याप्त चर्चा के अनुसार उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के रिश्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह से पिछले कुछ समय से तनावपूर्ण थे। राज्यसभा टीवी को लेकर भी सरकार और धनखड़ के बीच में तनाव बना हुआ था। राज्यसभा में मानसून सत्र के पहले ही दिन जिस तरह से ऑपरेशन सिंदूर के मामले में सदन के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को, उन्होंने बोलने का मौका दिया, उसके बाद जब सदन के नेता जेपी नड्डा बोल रहे थे। नड्डा ने बोलते हुए यह कह दिया, जो वह बोल रहे हैं वही रिकॉर्ड होगा। एक तरह से नड्डा ने धनखड़ को आदेश दिया था। यह कहकर उन्होंने आसंदी के अधिकार उनके पास है, यह संदेश देने का उपक्रम किया। सदन के अंदर यह धनखड़ का एक तरह से अपमान था। यह भी कहा जा रहा है कि विपक्षी सांसदों ने इसको लेकर एतराज जताया था। इसके बाद से हलचल बढ़ी। सूत्रों के द्वारा यह भी जानकारी आ रही है कि उनका इस्तीफा दबाव बनाकर लिया गया है। इस्तीफा तैयार कराकर उनके सामने पेश किया गया था। वह हस्ताक्षर नहीं कर रहे थे, तो कोई फाइल उन्हें दिखाई गई। उसके बाद जगदीप धनखड़ ने इस्तीफे पर हस्ताक्षर किए हैं। शाम को 6 बजे तक सब कुछ सामान्य था। उसके बाद राजनीतिक घटनाक्रम बड़ी तेजी के साथ चला। सारे देश को रात 9ः30 बजे पता चला कि स्वास्थ्य कारणों से जगदीप धनखड़ ने इस्तीफा दिया है। धनखड ने जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ मोर्चा खोल रखा था, उससे सरकार की परेशानी बढ़ रही थी। सरकार और धनखड़ के बीच की दूरियां बढ़ती चली जा रही थी। उपराष्ट्रपति ने जिस तरह से मल्लिकार्जुन खड़गे को बोलने का मौका दिया, वह सत्ता पक्ष को बड़ा नागवार गुजरा। सदन के अंदर गुस्से में जेपी नड्डा ने अपनी प्रतिक्रिया दे दी थी। रही सही कसर नड्डा का यह कहना कि रिकॉर्ड में वही लिखा जाएगा, जो उन्होंने कहा है। इससे धनखड़ नाराज हो गए। सरकार ने इसे धनखड़ की बगावत के रूप में देखा। शाम 6 बजे से रात 9 बजे के 3 घंटे सरकार सक्रिय हुई। दिल्ली में चर्चा है, जो इस्तीफा तैयार किया गया। वह रक्षा मंत्री के कार्यालय में तैयार हुआ था। उस पर दबाव से जगदीप धनखड़ के हस्ताक्षर कराए गए। राष्ट्रपति द्वारा स्तीफ़ा तुरंत मंजूर कर लिया गया। उसके बाद मीडिया को सूचना दी गई है। मानसून सत्र के पहले दिन जिस तरह से धनखढ़ का इस्तीफा हुआ है, वह भारतीय राजनीति के लिए एक बड़ा बदलाव और बड़ा धमाका है। ग्रह नक्षत्र की दिशाएं बदल रही हैं। ज्योतिषियों द्वारा यह कहा जा रहा था। 29 अप्रैल के बाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, केंद्र सरकार और भाजपा की मुसीबतें बढेंगी। पिछले दो-तीन महीने से सरकार जो भी निर्णय ले रही है। सरकार का हर दांव उल्टा पड़ रहा है। बिहार में मतदाता सूची का सघन अभियान भी चुनाव आयोग और सरकार के लिए परेशानी का कारण बन गया है।

एलआईसी ने बढ़ाई एसबीआई में हिस्सेदारी

- क्यूआईपी के माध्यम से जुटाए 25,000 करोड़

नई दिल्ली ।

भारतीय सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। एलआईसी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि उसने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के जरिए एसबीआई में 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस निवेश के तहत एलआईसी ने एसबीआई में 0.28 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदी है, जिससे उसकी कुल हिस्सेदारी अब 9.49 प्रतिशत हो गई है। एलआईसी के पास अब एसबीआई के 87.58 करोड़ शेयर हैं, जबकि इससे पहले वह 81.46 करोड़ शेयर (9.21 प्रतिशत हिस्सेदारी) का मालिक था। एलआईसी ने यह निवेश 817 प्रति शेयर की दर से किया है और कुल राशि बैंक को ट्रांसफर कर दी गई है। वहीं एसबीआई ने क्यूआईपी के जरिए कुल 25,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बैंक ने इस प्रक्रिया में 30.59 करोड़ शेयर 817 प्रति शेयर की कीमत पर जारी किए। एसबीआई ने बताया कि इस फंड का उपयोग लोन ग्रोथ को बढ़ावा देने, अपनी बैलेंस शीट को मजबूत करने और कॉमन इक्विटी टियर-1 कैपिटल को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा। क्यूआईपी को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए एसबीआई ने छह निवेश बैंकों की मदद ली। इसके अलावा एसबीआई के सेंट्रल बोर्ड ने वित्त वर्ष 2026 में प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए लगभग 3 बिलियन डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपये) जुटाने को मंजूरी दी है। जून में शेयरधारकों ने भी इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी थी।

सिंजेन्टा भारत के जरिये वैश्विक जैविक बाजार का नेतृत्व करने की तैयारी में

कंपनी की जैविक उत्पादों के लिए एक स्थिर और स्पष्ट नियामक ढांचा तैयार करने की योजना

मुंबई ।

स्विट्जरलैंड की प्रमुख फसल संरक्षण कंपनी सिंजेन्टा ने आने वाले वर्षों में दुनिया की अग्रणी जैविक कंपनी बनने की उम्मीद जताई है। कंपनी के वैश्विक अध्यक्ष स्टीवन हॉकिन्स ने एक साक्षात्कार में कहा कि भारत उनके लिए एक महत्वपूर्ण और संभावनाओं से भरा बाजार है, हालांकि यहां की नियामक अनिश्चितता कृषि नवाचारों के विस्तार में बड़ी चुनौती बनी हुई है। हॉकिन्स के अनुसार फसल संरक्षण उद्योग में नई तकनीकों की मंजूरी और उपयोग में देरी किसानों को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा ` कि हम चाहते हैं कि जैविक उत्पादों के लिए एक स्थिर और स्पष्ट नियामक ढांचा तैयार हो ताकि नवाचारों को बढ़ावा मिल सके। सिंजेन्टा इस वर्ष भारत में कई नई जैविक और रासायनिक उत्पादों को लॉन्च करने जा रही है, जिनमें प्रमुख है 'टाइमिरियम', जो एक नया निमेटोसाइड और कवकनाशी है। इससे पहले कंपनी ने 'एडेपिडिन' (फफूंदनाशक) और 'प्लिनाजोलिन' (कीटनाशक) बाजार में उतारे हैं, जिन्हें वैश्विक स्तर पर सफलता मिली है। कंपनी को 2025 में भारत में मध्यम स्तर की वृद्धि की उम्मीद है, जो महंगाई और मानसून की स्थिति पर निर्भर करेगी। हॉकिन्स ने यह भी बताया कि भारत की बाजार संरचना अमेरिका और ब्राजील जैसे देशों की तुलना में अधिक संतुलित है, जिससे वितरण में कम समस्याएं होती हैं। सिंजेन्टा ने हाल ही में तेलंगाना में एक बीज स्वास्थ्य प्रयोगशाला स्थापित की है और वह भारत सरकार के 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत स्थानीय निवेश को भी बढ़ावा दे रही है।

सेबी ने डब्बा कारोबार को बताया अवैध

- निवेशकों को सतर्क रहने की दी गई सलाह

नई दिल्ली ।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक बार फिर डब्बा कारोबार को अवैध करार देते हुए निवेशकों को इससे दूर रहने की चेतावनी दी है। हाल ही में जारी` किए गए बयान में सेबी ने कहा कि डब्बा कारोबार न केवल गैरकानूनी है, बल्कि यह निवेशकों के लिए गंभीर वित्तीय जोखिम भी उत्पन्न करता है। डब्बा कारोबार दरअसल एक अवैध लेन-देन प्रणाली है, जिसमें ट्रेडिंग औपचारिक शेयर बाजार के बाहर होती है।

इसमें न तो असली शेयर खरीदे जाते हैं और न ही ब्रोकर सेबी द्वारा पंजीकृत होता है। यह कारोबार पूरी तरह नियामकीय निगरानी से बाहर होता है और निवेशक के पैसे के दुरुपयोग की पूरी आशंका होती है। सेबी ने कहा कि ऐसी गतिविधियां प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956, सेबी अधिनियम, 1992 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रावधानों का उल्लंघन करती हैं। हाल ही में एक समाचार पत्र में छपे डब्बा कारोबार को बढ़ावा देने वाले विज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए सेबी ने एनएसई के साथ मिलकर कई कदम उठाए हैं। संबंधित समाचार पत्र को नोटिस भेजा गया है और साइबर पुलिस में भी शिकायत दर्ज कराई गई है। सेबी ने भारतीय विज्ञापन मानक परिषद से भी हस्तक्षेप करने को कहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने भी निवेशकों को चेताते हुए केवल सेबी-पंजीकृत ब्रोकर और मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से ही ट्रेडिंग करने की सलाह दी है। सेबी ने कहा है कि वह निवेशकों की सुरक्षा के लिए सख्त नियामकीय और कानूनी कदम उठाता रहेगा।

वित्त वर्ष 2025 में बैंकों की नियुक्तियों में भारी गिरावट

- एआई और डिजिटल टैलेंट पर बढ़ा फोकस

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2025 के दौरान देश के प्रमुख वाणिज्यिक बैंकों द्वारा की गई नई नियुक्तियों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। यह गिरावट खासकर खुदरा बैंकिंग से जुड़े क्षेत्रों में अधिक स्पष्ट रही है। नियुक्तियों में आई इस सुस्ती के पीछे कारोबार वृद्धि की धीमी गति, शाखाओं के सीमित विस्तार और बेहतर एट्रिशन रेट को प्रमुख कारण माना जा रहा है। एचडीएफसी बैंक ने वित्त वर्ष 2025 में 49,713 लोगों को नियुक्त किया, जो पिछले वर्ष की 89,115 और वित्त वर्ष 2023 की 85,000 से अधिक नियुक्तियों की तुलना में काफी कम है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की भर्तियां भी गिरकर 1,770 रह गईं, जबकि 2024 में यह संख्या 10,661 और 2023 में 8,595 थी। निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक ऐक्सिस बैंक ने भी इस वर्ष केवल 31,674 नियुक्तियां कीं, जो पिछले वर्ष की 40,724 से कम है। टीमलीज सर्विसेज़ के मुख्य कार्याधिकारी (स्टाफिंग) के अनुसार इस गिरावट के पीछे भारतीय रिजर्व बैंक की सख्त मौद्रिक नीति एक बड़ा कारण रही है। उन्होंने बताया कि पर्सनल लोन, होम लोन, वाहन ऋण और गोल्ड लोन जैसे क्षेत्रों में ग्रोथ धीमी रही है, जिसके चलते बैंक नई भर्तियों के प्रति सतर्क हो गए हैं। एचडीएफसी बैंक ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि 2025 को सुदृढ़ीकरण का वर्ष माना गया। बैंक ने एआई के जरिए भर्ती प्रक्रिया को अधिक कुशल बनाने, प्रतिभाओं की दक्षता बढ़ाने और लागत कम करने पर जोर दिया। इसके साथ ही रोजगार के लिए तैयार मॉडल को भी बढ़ावा दिया गया ताकि नई प्रतिभाओं को पहले दिन से काम के लिए तैयार किया जा सके। 2025 के अंत तक बैंक के कुल कर्मचारियों की संख्या 2,14,521 रही।

चंदा कोचर दोषी करार: वीडियोकॉन को लोन के बदले 64 करोड़ की रिश्वत का खुलासा

- चंदा कोचर ने बैंक की आंतरिक नीतियों और हितों के टकराव के नियमों का उल्लंघन किया

मुंबई ।

आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर को एक अपीलेट ट्रिब्यूनल ने 64 करोड़ रुपए की रिश्वत लेने का दोषी पाया है। यह रिश्वत वीडियोकॉन ग्रुप को दिए गए 300 करोड़ रुपए के लोन के बदले में ली गई थी। ट्रिब्यूनल ने इसे क्विड प्रो क्वो यानी कुछ के बदले कुछ का स्पष्ट मामला बताया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुसार चंदा कोचर ने बैंक की आंतरिक नीतियों और हितों के टकराव के नियमों का उल्लंघन करते हुए यह लोन पास किया। उन्होंने अपने पति दीपक कोचर और वीडियोकॉन समूह के बीच व्यावसायिक रिश्तों को छुपाया, जो बैंकिंग नियमों के खिलाफ है। ट्रिब्यूनल की जांच में पता चला कि आईसीआईसीआई बैंक द्वारा वीडियोकॉन को लोन मंजूर करने के एक दिन बाद ही, वीडियोकॉन की एक सहयोगी कंपनी एसईपीएल से 64 करोड़ रुपए एनआरपीएल को ट्रांसफर किए गए। यह कंपनी कागजों पर वीडियोकॉन के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत की थी, लेकिन इसका असली नियंत्रण दीपक कोचर के पास था, जो इसके मैनेजिंग डायरेक्टर भी थे। ट्रिब्यूनल ने वर्ष 2020 में एक अथॉरिटी द्वारा कोचर दंपति की 78 करोड़ की संपत्ति रिलीज किए जाने के आदेश को भी गलत करार दिया। उसने कहा कि उस फैसले में अहम साक्ष्यों की अनदेखी की गई थी। ईडी द्वारा पेश की गई टाइमलाइन और दस्तावेजों को ट्रिब्यूनल ने मजबूत और विश्वसनीय माना है। यह फैसला बैंकिंग क्षेत्र में नैतिकता और जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई ।

भारतीय रुपया मंगलवार को सात पैसे की गिरावट के साथ ही 86.36 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए पांच पैसे की बढ़त के साथ 86.26 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर शुल्क की अंतिम स्थिति को लेकर अनिश्चितता विदेशी मुद्रा बाजार के लिए चिंता का विषय बनी है, जिससे मुद्राओं का कारोबार सीमित दायरे में हो रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 86.26 पर खुला जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दर्शाता है। शुरुआती कारोबार में यह 86.29 प्रति डॉलर के स्तर को छू गया था। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.29 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ 97.88 पर आ गया।

एसबीआई ने अनिल अंबानी और आरकाम को किया फ्रॉड घोषित

- 3,000 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी का आरोप

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) और इसके पूर्व प्रमोटर अनिल अंबानी को फ्रॉड घोषित कर दिया है। यह जानकारी संसद में दी गई। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने लोकसभा में बताया कि 13 जून 2025 को एसबीआई ने भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) की फ्रॉड रिस्क मैनेजमेंट गाइडलाइंस और अपनी आंतरिक नीति के तहत यह कदम उठाया। बैंक ने 24 जून को आरबीआई को इसकी रिपोर्ट दी और अब मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने की प्रक्रिया में है। एसबीआई के अनुसार आरकॉम पर 2,227.64 करोड़ का फंड आधारित लोन बकाया है। इसके अलावा 786.52 करोड़ की गैर-फंड आधारित बैंक गारंटी भी जारी की गई थी। इस तरह बैंक की कुल एक्सपोजर 3,014.16 करोड़ के करीब है, जिसे अब धोखाधड़ी के रूप में वर्गीकृत किया गया है। आरकॉम ने 30 जून 2025 को यह स्वीकार किया कि उसे एसबीआई से 23 जून को एक पत्र मिला, जिसमें फ्रॉड घोषित किए जाने की जानकारी दी गई थी। यह मामला न केवल बैंकिंग क्षेत्र के लिए चेतावनी है, बल्कि बड़े कॉरपोरेट घरानों की जवाबदेही पर भी सवाल खड़े करता है।

भारत में विमानन कंपनियों पर सुरक्षा से ज्यादा प्रचार खर्च करने का आरोप: सर्वेक्षण

-सर्वेक्षण में देश के 322 जिलों से लगभग 44,000 लोगों ने भाग लिया

मुंबई । लोकल सर्किल्स द्वारा किए गए अखिल भारतीय ऑनलाइन सर्वेक्षण में करीब 76 प्रतिशत यात्रियों ने माना है कि भारत की कई विमानन कंपनियां यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने की तुलना में प्रचार-प्रसार पर अधिक खर्च कर रही हैं। सर्वेक्षण में देश के 322 जिलों से लगभग 44,000 लोगों ने भाग लिया, जिनमें 63 प्रतिशत पुरुष और 37 प्रतिशत महिलाएं शामिल थीं। सर्वेक्षण में यह भी सामने आया कि पिछले तीन वर्षों में 64 प्रतिशत यात्रियों ने उड़ान के दौरान किसी न किसी प्रकार की कठिनाई का सामना किया है। इनमें उड़ान भरते या उतरते समय जटिल परिस्थितियां और तकनीकी समस्याएं शामिल हैं। हाल के दिनों में एयर इंडिया की बोइंग 787-8 विमान की अहमदाबाद से लंदन की उड़ान के तुरंत बाद दुर्घटना, जिसमें 241 यात्रियों सहित कुल 260 लोगों की मौत हुई, ने देश में विमान सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। इसके अलावा, कोच्चि-मुंबई उड़ान का रनवे से बाहर निकलना, दिल्ली-कोलकाता उड़ान का तकनीकी खराबी के कारण रद्द होना, गोवा से इंडिगो की उड़ान में लैंडिंग गियर की समस्या, तथा स्पाइसजेट की उड़ान में खिड़की का फ्रेम टूटना जैसी घटनाओं ने यात्रियों में भय और असुरक्षा की भावना को बढ़ावा दिया है। सर्वेक्षण में सुरक्षा और प्रचार खर्च के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर 43 प्रतिशत ने माना कि सभी विमानन कंपनियां प्रचार पर अधिक खर्च करती हैं, जबकि 33 प्रतिशत ने कहा कि कुछ कंपनियां ऐसा करती हैं। केवल 11 प्रतिशत ने कहा कि कोई भी ऐसा नहीं करता।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को मामूली गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 13.53 अंकों की हल्की गिरावट के साथ ही 82,186.81 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 29.80 अंक नीचे आकर 25,060.90 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार बढ़त पर बद हुआ था।

आज सेंसेक्स की 30 में से 13 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए जबकि बची हुई 17 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। इसी तरह, निफ्टी की 50 में से केवल 16 कंपनियों के शेयर ही ऊपर आकर बंद हुए बंद हुए जबकि शेष 33 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये।

एक कंपनी का शेयर आज बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एटरनल (जोमेटो) के शेयर सबसे ज्यादा 10.56 फीसदी बढ़कर बंद हुए , वहीं टाटा मोटर्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.04 फीसदी की गिरावट रही।

आज टाइटन के शेयरों में 1.08 फीसदी, बीईएल 0.72 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.66फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.65 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.53 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.39 फीसदी व, बजाज फाइनेंस में 0.36 फीसदी की गिरावट रही। दूसरी ओर सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में अडाणी पोर्ट्स के शेयरों में 1.72 फीसदी, एसबीआई 1.12 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.08 फीसदी, एलएंडटी 1.07 फीसदी, आईटीसी 0.96 फीसदी, इंफोसिस 0.92 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.4 फीसदी गिरा, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स स्थिर रहा।

बाजार में गिरावट के ये कारण भी रहे

आज धातु के अलावा अन्य सभी सेक्टर गिरावट पर बंद हुए, जिनमें आईटी, ऑटो, पीएसयू बैंक, फार्मा, मीडिया और रियल्टी 0.5-1 फीसदी नीचे रहे। इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जुलाई 2025 में भारतीय शेयर बाजार में नेट बिकवाल बन गए, जो लगातार तीन महीनों के निवेश के बाद एक विराम था। यह बदलाव एफपीआई ने वित्त वर्ष 26 की सकारात्मक शुरुआत के बाद आया है, जिसमें अप्रैल, मई और जून में 38,673 करोड़ रुपये का संचयी शुद्ध निवेश हुआ।

इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत रही। सुबह बीएसई सेंसेक्स 300 से ज्यादा अंक चढ़कर 82,527.43 पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी तेजी के साथ 25,166 अंक पर खुला। मंगलवार को बाजार खुलते ही बीएसई पर 10 फीसदी चढ़ गए। कंपनी के शेयरों में यह तेजी जून तिमाही नतीजे जारी करने के बाद आई है। वहीं एशियाई बाजारों में मंगलवार को तेजी देखी गई। यह वॉल स्ट्रीट में सोमवार को आई बढ़त से प्रेरित थी। अमेरिका के प्रमुख इंडेक्स रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए। निवेशक टैरिफ संबंधी चिंताओं के बावजूद कॉर्पोरेट आय के बारे में आशावादी बने रहे। जापान में सप्ताहांत में हुए चुनावों के बाद बाज़ारों के फिर से खुलने पर शेयर बाज़ारों में तेज़ी देखी गई।

इसमें सत्तारूढ़ दल ने उच्च सदन में अपना बहुमत खो दिया था। जापान का निक्केई इंडेक्स 1 प्रतिशत ऊपर था। जबकि ब्रोडर टॉपिक्स इंडेक्स 0.60 प्रतिशत बढ़ा। दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 0.05 फीसदी की बढ़त हुई। वहीं, एएसएक्स 200 बेंचमार्क में 0.12 फीसदी की वृद्धि हुई। वहीं वॉल स्ट्रीट पर एसएंडपी 500 और नैस्डैक कंपोजिट सोमवार को दिन के कारोबार में मज़बूत तेज़ी के साथ नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुए।

वर्धा में जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने 43 मेगावाट सौर क्षमता जोड़ी

नई दिल्ली । जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने मंगलवार को महाराष्ट्र के वर्धा स्थित अपनी परियोजना में 43 मेगावाट अतिरिक्त सौर क्षमता जोड़ने की घोषणा की। यह विस्तार 129 मेगावाट की हाइब्रिड विद्युत परियोजना का हिस्सा है, जिसकी कुल सौर क्षमता अब 103 मेगावाट तक पहुंच चुकी है। कंपनी अपनी अनुषंगी संस्था, जुनिपर ग्रीन पावर फाइव प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड को बिजली की आपूर्ति कर रही है। जुनिपर ग्रीन एनर्जी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह उपलब्धि भारत की स्वच्छ ऊर्जा आवश्यकताओं में कंपनी के योगदान को दर्शाती है। जुनिपर ग्रीन एनर्जी भारत की एक अग्रणी स्वतंत्र नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक कंपनी है, जो सौर, पवन और हाइब्रिड परियोजनाओं के विकास, निर्माण और संचालन पर केंद्रित है। यह विस्तार राज्य की ऊर्जा जरूरतों को हरित विकल्पों से पूरा करने में मदद करेगा।

सोने की कीमत में बीते 6 वर्षों में 200 प्रतिशत की बढ़ोतरी!

नई दिल्ली ।

एक रिपोर्ट के अनुसार बीते छह वर्षों में सोने की कीमतों में करीब 200 प्रतिशत की तेजी आई है। मई 2019 से जून 2025 तक 10 ग्राम सोने की कीमत 30,000 से बढ़कर लगभग 1,00,000 के करीब पहुंच गई है। बाजार के जानकारों ने बताया कि सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा, लेकिन मौजूदा उच्च स्तर से आगे बढ़ने के लिए बाजार को नए महत्वपूर्ण कारकों की जरूरत है। फिलहाल कीमतों में स्थिरता या कंसोलिडेशन की संभावना बनी हुई है। सोना-चांदी के दामों में तेजी कारोबारी हफ्ते के पहले दिन भी जारी रही। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा जारी ताजा कीमतों के अनुसार, 24 कैरेट सोने की कीमत 790 बढ़कर 98,896 प्रति 10 ग्राम हो गई, जबकि 22 कैरेट सोना 90,589 और 18 कैरेट सोना 74,172 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। चांदी की कीमत 765 की बढ़ोतरी के साथ 1,13,465 प्रति किलो हो गई है। चांदी ने हाल ही में 14 जुलाई को 1,13,867 प्रति किलो का रिकॉर्ड तोड़ा था। ल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी सोने और चांदी के वायदा अनुबंध की कीमतों में तेजी दर्ज की गई। सोने के अगस्त 2025 कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.67 प्रतिशत बढ़कर 98,685 और चांदी के सितंबर 2025 कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.93 प्रतिशत बढ़कर 1,14,001 हो गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में उछाल देखा गया। कॉमैक्स पर सोना 0.71 प्रतिशत बढ़कर 3,382.10 प्रति औंस और चांदी 1.16 प्रतिशत बढ़कर 38.91 प्रति औंस पर पहुंच गई। इस तरह, सोना-चांदी दोनों की कीमतें उच्च स्तर पर बनी हुई हैं, लेकिन आगे की तेजी के लिए नए आर्थिक या राजनीतिक कारकों का उभरना आवश्यक है।

चीन में एप्पल को पछाड़ हुआवे बना नंबर-1 ब्रांड

मुंबई ।

चीन के स्मार्टफोन बाजार में 2025 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान कुल बिक्री में 2.4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट पिछले साल की समान अवधि की तुलना में है। इस दौरान अमेरिकी कंपनी एप्पल की बिक्री में 1.6 फीसदी की कमी आई है, जबकि घरेलू ब्रांड हुआवे ने 17.6 फीसदी की तेज़ वृद्धि दर्ज की। अब हुआवे 18.1 फीसदी मार्केट शेयर के साथ चीन की सबसे बड़ी स्मार्टफोन कंपनी बन गई है। हुआवे की मेटे सीरीज और उन्नत 5जी फोन्स ने बाजार में उसकी पकड़ मजबूत की है। साथ ही राष्ट्रीय ब्रांड के रूप में उसे सरकार और उपभोक्ताओं से व्यापक समर्थन मिल रहा है। दूसरी ओर एप्पल को अब स्थानीय ब्रांड्स से कड़ी टक्कर मिल रही है, खासकर प्रीमियम सेगमेंट में।` झिओमी और हुआवे जैसे ब्रांड तेजी से आईफोन की जगह ले रहे हैं, जिससे एप्पल की चीन में स्थिति चुनौतीपूर्ण होती जा रही है।

आदित्य बिड़ला सन लाइफ ने लॉन्च किए दो नए फैक्टर-बेस्ड इंडेक्स फंड

न्यू फंड ऑफर 21 जुलाई से शुरू होकर 4 अगस्त को बंद होगा

नई दिल्ली । आदित्य बिड़ला सन लाइफ म्युचुअल फंड ने निवेशकों के लिए दो नए फैक्टर-बेस्ड इंडेक्स फंड्स लॉन्च किए हैं बीएसई 500 मोमेंटम 50 इंडेक्स फंड और बीएसई 500 क्वालिटी 50 इंडेक्स फंड। इन दोनों योजनाओं का न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) 21 जुलाई 2025 से शुरू होकर 4 अगस्त 2025 को बंद होगा। मोमेंटम इंडेक्स फंड उन 50 कंपनियों में निवेश करेगा जो बीएसई 500 इंडेक्स में शामिल हैं और जिनके शेयर हाल के महीनों में सबसे तेज़ी से बढ़े हैं। इसका मकसद तेजी से बढ़ते सेक्टर्स में अवसर तलाशना है। वहीं, क्वालिटी इंडेक्स फंड बीएसई 500 की उन कंपनियों में निवेश करेगा जिनकी बैलेंस शीट मजबूत है, रिटर्न ऑन इक्विटी अच्छा है और कर्ज़ कम है। यह फंड बाज़ार में गिरावट के समय भी स्थिरता प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। दोनों योजनाओं में न्यूनतम निवेश 500 से शुरू किया जा सकता है, और आगे निवेश 100 के गुणक में किया जा सकता है। एसआईपी की सुविधा भी उपलब्ध है, जिसकी न्यूनतम राशि 500 प्रति माह या सप्ताह है। दोनों फंड्स का प्रबंधन प्रिया श्रीधर करेंगी।

भारतीय टीम ओल्ड ट्रैफर्ड में जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी के इरादे से उतरेगी

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारतीय टीम यहां के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत हासिल कर सीरीज में वापसी करने के इरादे से उतरेगी। अभी भारतीय टीम इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। आंकड़ों पर नजर डाले तो इस मैच में भारतीय टीम की राह आसान नहीं रहेगी क्योंकि उसे यहां आज तक एक भी जीत नहीं मिली है। इस मैदान पर भारतीय टीम ने अभी तक नौ मैच खेले हैं जिनमें से चार में उसे हार का सामना करना पड़ा जबकि बाकी पांच मैच ड्रॉ रहे। भारतीय टीम के कई खिलाड़ी चोटिल होने के कारण इस मैच से बाहर है जिसका नुकसान भी उसे उठाना पड़ेगा हालांकि इसके बाद भी टीम जीत दर्ज करने के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। युवा कप्तान शुभमन गिल और उनकी टीम का लक्ष्य इस मैदान पर पहली जीत दर्ज कर इससे जुड़े हार के मिथक को तोड़ना रहेगा। इसके लिए टीम को अपनी रणनीति में भी थोड़ा बदलाव करना होगा। लीड्स में पहले टेस्ट के बाद भारत ने अंतिम एकादश में तीन ऑलराउंडरों को शामिल किया था। इनमें नीतीश रेड्डी भी शामिल थे, जो घुटने की चोट के कारण अब इस मैच और सीरीज से ही बाहर हो गए हैं। ऐसे में टीम को उनकी कमी पूरी करनी होगी। वहीं रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर जैसे दो स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रहने से भारतीय टीम के पास आठवें नंबर तक बल्लेबाज़ी रहेगी। इंग्लैंड वर्तमान श्रृंखला में अभी 2-1 से आगे चल रहा है और अगर भारत को पांच मैच की इस सीरीज में अपनी उम्मीदें बनाये रखनी हैं तो उसे यहां जीत हासिल करनी होगी।

सीरीज का पहला टेस्ट मैच खेलने वाले अनुभवी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को इस मैच में रेड्डी की जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है हालांकि इस बार उनकी बल्लेबाजी लय में नजर नहीं आ रही। अगर उन्हें टीम में लिया जाता है तो उन्हें गेंदबाज़ी में भी अपना प्रदर्शन बेहतर करना होगा क्योंकि रेड्डी ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में दबाव के बीच में विकेट लिए थे। भारतीय टीम इस मैच में लीड्स के संयोजन को एक बार फिर आजमा सकती है, जिसमें उसके पास जडेजा के रूप में केवल एक स्पिनर था और छठे नंबर तक विशेषज्ञ बल्लेबाज थे, जिसमें बल्लेबाज करुण नायर और साई सुदर्शन को भी अंतिम ग्यारह में जगह मिली थी। इसके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा और कवर के तौर पर शामिल नए तेज़ गेंदबाज़ अंशुल कंबोज को भी अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। अगर आकाश दीप कमर की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाते हैं, तो इनमें से कोई भी उनकी जगह ले सकता है।

आकाश की तरह ही कंबोज भी तेज गेंदबाजी करते हैं। वह भारत ए के इंग्लैंड दौरे का भी हिस्सा थे और इस तरह से यहां के हालातों को जानते हैं। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का अंतिम एकादश में जगह बनाना तय है। लॉर्ड्स में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे, इसलिए अगर टीम को वापसी करनी है तो कप्तान शुभमन और अन्य बल्लेबाजों को बड़ी पारियां खेलनी होंगी। इस मैच में बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर से सावधान रहना होगा। आर्चर ने चार साल बाद वापसी करते हुए यशस्वी को दो बार आउट किया। इसके अलावा इस सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे केएल राहुल को ये सिलसिला बनाये रखना होगा। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी अपनी उंगली की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं जो टीम के लिए राहत की बात है।

इस मैच में अगर करुण नायर को एक और मौका मिलता है, तो वह बड़ी पारी खेलने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। वहीं इस सीरीज में जबरदस्त प्रदर्शन कर लगातार चार अर्धशतक लगाने वाले जडेजा के ऊपर इस मैच में भी बड़ी जिम्मेदारी रहेगी। उन्हें इस मैच में गेंदबाजी में भी विकेट लेने होंगे। भारतीय टीम ने इस मैदान पर अंतिम बार साल 2014 में खेला था। वहीं दूसरी ओर मेजबान टीम इंग्लैंड इस मैच में अपनी बढ़त बनाये रखना चाहेगा। मेजबान टीम ने अपनी टीम में केवल एक बदलाव के तौर पर स्पिनर शोएब बशीर की जगह लियाम डॉसन को शामिल करना है। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने इंग्लैंड के लिए अपना आखिरी मैच जुलाई 2017 में खेला था। यहां पिछले दिनों से हो रही बारिश के कारण पिच से तेज गेंदबाजों को सहायता मिल सकती है। मेजबान टीम की बल्लेबाज जो रुट , हैरी ब्रुक और बेन डेकेट पर आधारित रहेगी जबकि गेंदबाजी की कमान आर्चर के अलावा ब्रायडन कार्स और क्रिस वोक्स के पास रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज।

इंग्लैंड : बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप (उप-कप्तान), जो रूट, हैरी ब्रुक, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), लियाम डॉसन, क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

बीसीसीआई के एसीसी बैठक के बहिष्कार से एशिया कप पर खतरा मंडराया

–पीसीबी को होगा भारी नुकसान

मुम्बई (एजेंसी)। इस साल होने वाले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट को लेकर संशय बना हुआ है। इस कारण ये है कि 24-25 जुलाई को ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की सालाना आम बैठक (एजीएम) होनी है पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसमें भाग लेने से इंकार कर दिया है। श्रीलंका और अफगानिस्तान बोर्ड भी इस बैठक से दूर रहेंगे। बीसीआई ने इस बैठक को बांग्लादेश में कराने का विरोध किया था क्योंकि बांग्लादेश में पिछले साल शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से हालात ठीक नहीं है। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की धड़कने बढ़ी हुई हैं। इसका कारण है कि एशिया कप के रद्द होने या स्थगित होने प उसे मोट नुकसान होगा।

पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी इस समय एसीसी के चेयरमैन हैं। ऐसे में इस टूर्नामेंट से होने वाली आय से उसे काफी फायदा होता है। इस टूर्नामेंट की अनुमानित आय लगभग 1.16 अरब पाकिस्तानी रुपये है, जो वित्तीय वर्ष के लिए उसकी कुल अनुमानित आय 8.8 अरब पाकिस्तानी रुपये का हिस्सा है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान को आईसीसी वितरण से मिलता है, कई सालों से एशिया कप उनकी वित्तीय योजनाओं का एक प्रमुख आधार बना हुआ है।

पीसीबी के सीईओ सुमैर अहमद ने सिंगापुर में आईसीसी की सालाना बैठक में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया और उन्होंने ढाका की इस बैठक के लिए अन्य देशों से सहयोग मांगा था पर बीसीसीआई ने बैठक में शामिल होने से मना कर दिया था। बीसीसीआई के इस रुख का समर्थन श्रीलंका और अफगानिस्तान ने भी कर दिया है। ऐसे में अगर यह बैठक नहीं हो पाती है या इसे अमान्य घोषित कर दिया जाता है, तो इससे 10 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले एशिया कप शायद ही हो पाये। जिसका सीधा नुकसान पीसीबी को होगा।

करुण नायर 2025-26 के घरेलू सत्र के लिए कर्नाटक लौटने को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर मौजूद करुण नायर, कर्नाटक लौटने के लिए तैयार हैं। रिपोर्ट के अनुसार पिछले तीन सीजन खेलने के बाद से वे कर्नाटक से बाहर हैं। पिछले दो सीजन से नायर विदर्भ के साथ थे। उन्हें सोमवार शाम विदर्भ क्रिकेट संघ से अनापत्ति प्रमाण पत्र (हृह्रष्ट) मिल गया, जिससे उन्हें अपनी मूल राज्य टीम का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति मिल गई।

नायर की वापसी ऐसे समय में हो रही है जब घरेलू क्रिकेट में उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत उनकी लोकप्रियता में काफी वृद्धि हुई है। पिछले सीजन में विदर्भ के रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने में उनकी अहम भूमिका रही थी, जिसकी बदौलत आठ साल के अंतराल के बाद उन्हें भारतीय टेस्ट टीम में वापसी मिली। उन्होंने 16 पारियों में 53.93 की औसत से 863 रन बनाए जिसमें चार शतक शामिल थे, जिसमें केरल के खिलाफ फाइनल में मैच जिताऊ शतक भी शामिल था। नायर ने विजय हजारे ट्रॉफी में भी रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया। 50 ओवर के टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने विदर्भ की कप्तानी की और टीम को उपविजेता बनाया।

उन्होंने आठ पारियों में 779 रन बनाकर स्कोरिंग चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया जिसमें लगातार 5 शतक शामिल थे और 124.01 की शानदार बल्लेबाजी औसत के साथ बल्लेबाजी की। अपने शानदार प्रदर्शन के दौरान उन्होंने बिना आउट हुए सर्वाधिक रन (542) बनाने का नया लिस्ट ए रिकॉर्ड बनाकर अपनी उपलब्धि में एक और उपलब्धि जोड़ ली।

आईसीसी रैंकिंग : स्मृति मंधाना शीर्ष पर बरकरार, दीप्ति 10 स्थान के सुधार के साथ 23वें पायदान पर

दुबई (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत की दीप्ति शर्मा बल्लेबाजों में 10 स्थानों की छलांग लगाकर 23वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने मंगलवार को जारी नवीनतम आईसीसी रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। श्रृंखला के शुरुआती दो मैचों में शानदार प्रदर्शन से इंग्लैंड और भारत के खिलाड़ियों को इस रैंकिंग में फायदा हुआ है।

दीप्ति ने शुरुआती एकदिवसीय में नाबाद 62 रन की पारी के साथ टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका अदा की थी। उन्होंने इसके बाद दूसरे एकदिवसीय में भी नाबाद 30 रन का योगदान दिया। सोफिया डंकले ने पहले वनडे में 92 गेंदों पर 83 रन बनाकर इंग्लैंड को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई, जिससे उन्हें 24 स्थानों का फायदा हुआ। वह बल्लेबाजों की सूची में 52वें पायदान पहुंच गईं।

मंधाना पहले दो मैचों में 28 और 42 के स्कोर के साथ रैंकिंग में शीर्ष पर बनी हुई हैं और उन्होंने अपनी 727 की रेटिंग भी बरकरार रखी है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 17 और सात के स्कोर के बाद पांच स्थान फिसलकर 21वें स्थान पर आ गई हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज सोफी एक्लेस्टोन अपनी स्थिति और मजबूत करने में सफल रही। मौजूदा श्रृंखला में चार विकेट चटकाने वाली इस अनुभवी खिलाड़ी की रेटिंग 747 से बढ़कर 776 हो गयी है। वह दूसरे वनडे में तीन विकेट चटकाकर प्लेयर ऑफ द मैच भी बनी थी।

गेंदबाजों की रैंकिंग में उनके बाद ऑस्ट्रेलिया की एशले गार्डनर (724) और मेगन शुट्ट (696) दूसरे और तीसरे पायदान पर है।। दीप्ति चौथे स्थान पर बनी हुई हैं। इंग्लैंड की चार्ली डीन और भारत की स्नेह राणा जैसी स्पिनरों भी श्रृंखला में अच्छी गेंदबाजी कर तीन-तीन विकेट लिए हैं। डीन करियर की सर्वश्रेष्ठ 625 रेटिंग के साथ दो स्थान चढ़कर नौवें नंबर पर पहुंच गई हैं, जबकि राणा 12 स्थान ऊपर चढ़कर 21वें नंबर पर आ गई हैं। राणा ने भी व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 515 रेटिंग हासिल की है। डीन हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में भी सुधार कर संयुक्त रूप से 14वें स्थान पर पहुंच गई हैं तो वहीं एक्लेस्टोन तीन स्थान के सुधार के साथ 18वें पायदान पर पहुंच गयी है।

इंजीनियर और लॉयड के सम्मान में ओल्ड ट्रैफर्ड में बने स्टैंड

मैनचेस्टर। यहां भारत और इंग्लैंड के बीच यहां बुधवार से शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज फारुख इंजीनियर और वेस्टइंडीज के दिग्गज खिलाड़ी रहे क्लाइव लॉयड के सम्मान में इनके नाम से स्टैंड रहेंगे। इंजीनियर और लॉयर्ड की पूर्व काउंटी टीम लंकाशर ने इन दोनों के नाम पर स्टैंड रखने का फैसला किया है। इंजीनियर ने लगभग एक दशक तक लंकाशर की ओर से जबकि लॉयर्ड ने लगभग दो दशक तक क्लब से खेलते हुए अपनी ओर से अहम योगदान दिया। गौरतलब है कि साल 1968 से 1976 के बीच 87 वर्षीय इंजीनियर ने 175 मैचों में लंकाशर की ओर से 5942 रन बनाए, 429 कैच लिए और 35 स्टंपिंग की। वहीं दूसरी ओर दो बार विश्व कप जीतने वाली वेस्टइंडीज की टीम के कप्तान लॉयड ने 1970 के दशक की एक क्लब की ओर से खेलते हुए उसे आगे बढ़ाया। मुंबई में जन्मे इंजीनियर ने लंकाशर के लिए जब पदार्पण किया तो क्लब ने 15 साल से अधिक समय तक कोई बड़ा खिताब नहीं जीता था पर उनके शामिल होने के बाद उसने 1970 से 1975 के बीच चार बार जिलेट कप जीता था। गौरतलब है कि इंजीनियर ने अपना अधिकतर क्रिकेट ब्रेबोर्न स्टेडियम में खेला पर वहां उनके नाम पर कोई स्टैंड नहीं है। इंजीनियर ने कुछ साल पहले कहा था, 'वह अविश्वसनीय समय था और ओल्ड ट्रैफर्ड एक शानदार जगह थी। लोग हमें खेलते देखने के लिए मीलों दूर से आते थे। इंजीनियर को अपने सुनहरे दिनों में प्रशंसकों से मिले पत्र भी याद हैं।

अनुभवी खिलाड़ी होने की अपनी जिम्मेदारी निभा रहे जडेजा

मुम्बई। ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने अपने करियर में अब तक शानदार प्रदर्शन किया है और उनके नाम कई उपलब्धियां भी हैं पर इसके बाद भी उन्हें वह दर्जा नहीं मिला जिसके वे अधिकारी रहे हैं। इंग्लैंड दौर पर वह सबसे अधिक अनुभवी खिलाड़ी है। ऐसे में उन्होंने अपनी भूमिका काफी अच्छे से निभाई है। विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन जैसे खिलाड़ियों के दौर में खेलने के बाद भी उन्होंने अपनी एक अलग जगह बनायी थी। वहीं इनके संन्यास लेने के बाद वह टीम के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। इंग्लैंड के इस दौरे में हालांकि उनकी गेंदबाजी सफल नहीं रही पर बल्लेबाजी से उन्होंने वह कमी पूरी कर दी। पिछले दिनों जब कप्तानी को लेकर सवाल किये गये तो उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि अब कप्तानी का समय अब चला गया। उन्होंने बर्मिंघम में 89 और 69 रन की अर्धशतकीय पारियों से टीम की जीत अहम योगदान दिया तो वहीं अगले टेस्ट में दो और अर्धशतक जड़े। लॉर्ड्स में वह अकेले ही टीम को लक्ष्य तक ले जाने के प्रयास में लगे रहे। उनका 61 रन का नाबाद स्कोर भारत को जीत के करीब ले गया। वह अभी भी सर्वश्रेष्ठ फील्डर हैं और गेंदबाजी भी उनकी अच्छी रही है हालांकि उन्हें विकेट नहीं मिला। जडेजा टीम के युवा खिलाड़ियों को सलाह देते दिखे हैं। इसी कारण कप्तान शुभमन गिल ने जडेजा को टीम का सबसे समर्पित खिलाड़ी करार दिया। शुभमन ने कहा, ''वह भारत के सबसे मूल्यवान खिलाड़ियों में से एक हैं। गेंदबाजी, बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण में उनके पास जो अनुभव और कौशल हैं, वह बहुत दुर्लभ है। उन्होंने जिस तरह की एकाग्रता दिखाई वह भी आसाधारण रही है।''

सरफराज खान के वजन कम करने पर केविन पीटरसन ने पृथ्वी शॉ को दी नसीहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरफराज खान इन दिनों काफी चर्चा में है, वजह है उनका वजन। दरअसल, टीम इंडिया के युवा बल्लेबाज सरफराज खान ने दो महीने के अंदर 17 किलो वजन कम किया है। जिसकी फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वहीं केविन पीटरसन ने सरफराज खान की फोटो पृथ्वी शॉ को दिखाने की बात कही है।

दरअसल, सरफराज खान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के बाद से भारतीय टेस्ट टीम से बाहर हो गए हैं। सरफराज को ऑस्ट्रेलिया में खेलने का मौका नहीं मिला था। इसके बाद उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ भी सीरीज में मौका नहीं मिला। जिसके बाद उन्होंने टीम से बाहर रहकर जमकर पसीना बहाया है। सरफराज ने स्टोरी शेयर करते हुए बताया कि उन्होंने 17 किलो वजन कम किया है। इसके बाद उनकी फिटनेस की चर्चा हर तरफ हो रही है।

इसी दौरान इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी केविन पीटरसन ने सरफराज की इस फोटो को पृथ्वी शॉ को दिखाने के लिए कहा है। बता दें कि, पृथ्वी को खराब फिटनेस के कारण मुंबई की टीम ने ड्रॉप किया था। शॉ का वजन काफी बढ़ गया है।

पीटरसन ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि, शानदार एफर्ट, यंग मैन ! बहुत-बहुत बधाई और मुझे भरोसा है कि ये मैदान पर बेहतर और ज्यादा लगातार प्रदर्शन की ओर से जाएगा। मुझे बहुत अच्छा लगा कि आपने अपनी प्राथमिकताएं फिर से तय कीं। कोई प्लीज ये पृथ्वी शॉ को भी दिखा दे। ये मुमकिन है, मजबूत शरीर, मजबूत दिमाग।

दिल्ली सरकार का तोहफा, ओलंपिक और पैरालंपिक विजेताओं के नकद पुरस्कार राशि में भारी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी के ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेताओं के लिए नकद पुरस्कार राशि में बढ़ोतरी की है। यह जानकारी मंगलवार को मंत्री आशीष सूद ने दी। सूद ने मेधावी छात्रों को मुफ्त लैपटॉप प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री डिजिटल योजना को मंजूरी देने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में दिल्ली सचिवालय में हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसले लिए गए। सूद ने कहा, 'आज, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें दिल्ली के विकास के साथ छात्रों और युवाओं के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।' उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना के तहत ऐतिहासिक फैसले लिए गए। ओलंपिक और पैरालंपिक पदक विजेताओं को पहले तीन करोड़ रुपए, दो करोड़ रुपए और एक करोड़ रुपए दिए जाते थे लेकिन खेल पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करने के लिए अब ओलंपिक तथा पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेताओं को 7 करोड़ रुपए, रजत पदक विजेताओं को 5 करोड़ रुपए और कांस्य पदक विजेताओं को 3 करोड़ रुपए दिए जाएंगे।' सूद ने घोषणा की कि दिल्ली सरकार में स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को ग्रुप ए की नौकरियां दी जाएंगी, जबकि कांस्य पदक विजेताओं को ग्रुप बी की नौकरियां दी जाएंगी। सूद ने यह भी घोषणा की कि मुख्यमंत्री डिजिटल योजना के तहत युवाओं के समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए छात्रों को मुफ्त लैपटॉप प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने कहा, 'अच्छे अंकों के साथ दसवीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले 1,200 मेधावी छात्रों को लैपटॉप दिए जाएंगे। इससे वंचित पृष्ठभूमि के छात्रों को लाभ होगा।'

बुमराह ओल्ड ट्रैफर्ड में तोड़ सकते हैं अकरम के दो विश्व रिकार्ड

मैनचेस्टर। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह बुधवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम को जीत दिलाने का प्रयास करेंगे। अब तक उन्होंने इस सीरीज में अच्छी गेंदबाजी की है। उन्होंने पहले और तीसरे टेस्ट में पांच-पांच विकेट लिए थे जबकि दूसरे टेस्ट में वह नहीं खेले थे। वहीं अब मैनचेस्टर में बुमराह के पास इतिहास रचने का अवसर होगा। वह इस मैच में पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम के दो बड़े रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। इंग्लैंड में टेस्ट मैचों में एशियाई गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अकरम के नाम है। अकरम ने इंग्लैंड में 14 टेस्ट मैचों में 53 विकेट लिए हैं जबकि बुमराह ने 49 विकेट लिए हैं। ऐसे में उन्हें अकरम के इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए केवल 5 विकेट ही चाहिये। इंग्लैंड में टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के साथ-साथ बुमराह इस मैच में पूर्व पाक तेज गेंदबाज का एक और रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। बुमराह अगर मैनचेस्टर में 5 विकेट हॉल ले लेते हैं तो वह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में सबसे ज्यादा 5 विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बन जाएंगे। अभी बुमराह और अकरम के नाम 11-11 बार पांच विकेट लेने का रिकार्ड है। अकरम ने 32 मैचों में ये उपलब्धि हासिल की थी जबकि बुमराह ने अब तक 33 मैचों में 11 बार पांच विकेट लिए हैं। अब वह एक बार और पांच विकेट लेते ही अकरम को पीछे छोड़ देंगे। भारतीय टीम इस समय सीरीज में अभी 1-2 से पीछे चल रही है। ऐस में बुमराह इस मैच में जीत दिलाकर टीम को बराबरी पर लाना चाहेंगे।

पठान की चौथे टेस्ट से पहले बुमराह को सलाह, अपना सब कुछ झोंक दो या ठीक से आराम करो

मैनचेस्टर (एजेंसी)। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान का तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को संदेश स्पष्ट है कि या तो टीम के लिए अपना सब कुछ झोंक दो या फिर कार्यभार प्रबंधन के तहत चुनिंदा मुकाबलों में खेलने की जगह ठीक से आराम करो। इंग्लैंड के खिलाफ ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट की पूर्व संध्या पर पठान ने बुमराह के असाधारण गेंदबाजी कौशल की प्रशंसा की लेकिन साथ ही उनसे जरूरत पड़ने पर 'अतिरिक्त प्रयास' करने का भी आग्रह किया।

पठान ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, 'मैं जसप्रीत बुमराह का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे उनका कौशल बेहद पसंद है। वह बेहतरीन हैं। हालांकि मेरा मानना है कि जब आप भारत के लिए खेलते हैं तो आपको अपना सब कुछ देना होता है।' उन्होंने कहा, 'जब आप पांच ओवर के स्पैल की बात करते हैं तो जब रूट आते हैं तो आप छठा ओवर नहीं फेंक रहे होते। आपको अपना सब कुछ झोंकना होता है। या तो आप अपना सब कुछ झोंक देते हैं या फिर पूरी तरह आराम करते हैं।'

बाएं हाथ के इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, 'जब बात किसी देश या टीम की आती है, जब आप किसी टीम के लिए खेलते हैं, तो आप उनके लिए खेलते हैं। टीम हमेशा पहले आती है।' पूर्व निर्धारित योजना के तहत बुमराह को दौरे पर पांच में से तीन टेस्ट मैच खेलने हैं लेकिन भारत श्रृंखला में 1-2 से पीछे है और दो मैच और खेलने बाकी हैं।

पठान ने स्पष्ट किया कि वह बुमराह की टीम के प्रति प्रतिबद्धता पर किसी भी तरह से सवाल नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैं यह सवाल नहीं उठा रहा कि उन्होंने प्रयास नहीं किए हैं। उन्होंने ओवर फेंके हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है। हालांकि जब टीम के लिए अतिरिक्त प्रयास करने की बात आती है तो आपको ऐसा करना ही पड़ता है।' पठान ने कहा, 'अगर बुमराह भारत के लिए नियमित रूप से मैच जीतते रहे तो वह लंबे समय तक शीर्ष पर बने रहेंगे। जब टीम को आपकी जरूरत हो तो आपको अतिरिक्त प्रयास करने होते हैं। बेन स्टोक्स ने ऐसा किया और जोफ्रा आर्चर ने चार साल बाद ऐसा किया।'

बुमराह ने श्रृंखला के पहले और तीसरे टेस्ट में हिस्सा लिया और लीड्स तथा लॉर्ड्स दोनों ही मैचों में प्रभावी गेंदबाजी की। पहले मैच की पहली पारी में बुमराह ने 5 विकेट चटकाए लेकिन इंग्लैंड के 371 रन के लक्ष्य का सफलतापूर्वक पीछा करने के दौरान उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में बुमराह ने एक बार फिर पहली पारी में पांच विकेट चटकाए और फिर दूसरी पारी में दो विकेट लेकर मैच का अंत 112 रन पर सात विकेट के साथ किया। कुछ दिन पहले पूर्व भारतीय बल्लेबाज दिलीप वेंगसरकर ने भी बुमराह के इस बड़े दौरे के सभी मैचों में नहीं खेलने पर नाराजगी जाहिर की थी।

पूर्व पाक क्रिकेटर बट ने कहा, तो विश्वकप और ओलंपिक में भी हमसे न खेले भारतीय टीम

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व सलामी बल्लेबाज सलमान बट ने पूर्व भारतीय क्रिकेटरों के वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स मुकाबले में नहीं खेलने की आलोचना करते हुए कहा है कि अब उन्हें विश्वकप और ओलंपिक में भी ऐसा ही करना चाहिये। बट ने कहा कि इस प्रकार से वे क्या संदेश देना चाहते हैं। अगर ऐसा ही करना है तो उन्हें हमारे से किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट में नहीं खेलना चाहिये। यहां तक की ओलंपिक में भी नहीं। साथ ही कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने ये फैसला चार से पांच खिलाड़ियों के दबाव में किया है। इससे अन्य लोगों पर भी दबाव पड़ा और वे मैच से हट गये। इससे पहले पाक के ही पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी सहित कई खिलाड़ियों ने भी ऐसी ही बातें कहीं थीं। इससे पता चलता है कि भारतीय खिलाड़ियों के नहीं खेलने के कारण लीग रद्द होने से पाक खिलाड़ी कितने बैचेन हैं। सलमान ने जिस प्रकार किसी रिटायर्ड प्लेयर्स की लीग में खेलने की तुलना आईसीसी इवेंट से की है। उससे उनकी और भी फजीयत होना तय है। क्योंकि आईसीसी इवेंट या ओलंपिक से किसी लीग की तुलना नहीं हो सकती है। लीग में खेलना देश का प्रतिनिधित्व करना है पर उस लीग में किया गया प्रदर्शन न तो आईसीसी के आंकड़ों में आता है और न ही उसका कहीं कोई महत्व है। जहां तक मैच रद्द होने की बात है। आयोजकों ने इसके लिए भारतीय खिलाड़ियों को दोषी नहीं मानते हुए कहा है कि खिलाड़ियों के बहिष्कार के बाद उन्हें ये रद्द करना पड़ा था।

ये हैं जेईई मेन परीक्षा क्रैक करने के लिए जरूरी टिप्स

जेईई मेन एग्जाम की डेट नजदीक आ रही है। इस परीक्षा का पहला सेशन फरवरी के अंतिम सप्ताह में आयोजित किया जाएगा, जिसमें लाखों उम्मीदवार अपनी काबिलियत को आजमाएंगे। देश के टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में दाखिले के लिए होने वाली इस परीक्षा को देश की सबसे कठिन प्रवेश परीक्षाओं में से एक माना जाता है। अगर आप भी इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपको यहां पर हम जेईई मेंस की प्रिपरेशन प्लानिंग के बारे में पूरी जानकारी और टिप्स देंगे।

सिलेबस को समझ कर बनाएं प्लान

जेईई मेन की तैयारी के लिए छात्रों को प्रभावी प्लान बनाने की जरूरत पड़ेगी और इसमें मदद करेंगा परीक्षा का सिलेबस। सबसे पहले सिलेबस को समझे और इसके आसान और कठिन विषयों को ध्यान में रखकर अपनी प्रिपरेशन प्लानिंग बनाएं। अपनी क्षमता और स्पीड के आधार पर, तीनों विषयों को शामिल करते हुए एक डेली प्रिपरेशन प्लान बनाएं। इसका नियमित रूप से पालन भी करें।

बेहतर टाइम टेबल बनाएं

इस परीक्षा की तैयारी के लिए सही टाइम टेबल होना बहुत जरूरी है। टाइम टेबल को अपने परीक्षा पैटर्न को ध्यान में रखकर बनाएं। इस परीक्षा में उम्मीदवारों को 90 प्रश्नों में से 75 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक पेपर की अवधि 3 घंटे है। प्रत्येक विषय में 20 एमसीक्यू और 10 न्यूमेरिकल प्रश्न होंगे, जिनमें से 5 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। एमसीक्यू के लिए, प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1 अंक काटा जाएगा। वहीं, न्यूमेरिकल प्रश्नों में सही उत्तर के लिए 4 अंक दिए जाएंगे और इस खंड में कोई निगेटिव मार्किंग नहीं है।

मौजूदा टॉपिक को पूरा करें

इस परीक्षा के पहले अटेम्ट के लिए अब दो माह से कम समय बचा है। इसलिए तैयारी में आपको पूरा जोर लगाना पड़ेगा। अब समय आ गया है कि इस परीक्षा के प्रमुख टॉपिक को आप पूरा कर लें। उसके बाद दूसरे टॉपिक को शुरू करें। यह तरीका आगे चलकर आपके लिए महत्वपूर्ण पहलू साबित होगा, क्योंकि जेईई मेन की तैयारी के अंतिम चरण के दौरान, उम्मीदवारों को अधिक जोर नहीं लगाना पड़ेगा।

फ्लैश कार्ड तैयार करें

इस परीक्षा की तैयारी के लिए शॉर्ट नोट्स बनाना बेहद महत्वपूर्ण है। फ्लैशकार्ड और शॉर्ट नोट्स तैयार करने का उद्देश्य मुख्य परीक्षा के आयोजन में जब एक सप्ताह का समय बचा हो, उस समय अधिक से अधिक समय को बचाकर इनसे तैयारी कर सकें। इनसे उम्मीदवार जल्दी से इन शॉर्ट नोट्स और फ्लैश नोट्स के माध्यम से पढ़ाई कर सकेंगे और अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं को दोहरा सकेंगे।

सैंपल पेपर्स की प्रैक्टिस करें

जेईई मेंस परीक्षा की तैयारी के लिए लगातार सैंपल पेपर और प्रश्न पत्रों को हल करें। जेईई मेन प्रश्न पत्र को हल करने का उद्देश्य उम्मीदवारों को उनकी तैयारी के स्तर को जानने में सक्षम बनाना है। इससे, उम्मीदवार यह पता लगाने में सक्षम होंगे कि वे हर विषय में प्रत्येक प्रश्न को हल करने में कितना समय ले रहे हैं। साथ ही क्या वे अपने समय का उचित प्रबंधन कर पा रहे हैं या नहीं, यह समझ भी उनमें आएगी। जितना अधिक वे प्रश्नों को हल करेंगे, उन्हें पता चल जाएगा कि वे कौन से क्षेत्र हैं जिनमें उन्हें अधिक काम करना होगा ताकि परीक्षा के दिन कोई कठिनाई न आए। वे अपनी कमियों को दूर कर अपनी प्रदर्शन में सुधार कर सकते हैं।

लगातार मॉक टेस्ट दें

अब सभी परीक्षा के लिए मॉक टेस्ट बेहद जरूरी हो गया है। यह हमें परीक्षा से पहले असपल परीक्षा का एहसास कराता है। अगर आप जेईई मेन की तैयारी कर रहे हैं, तो प्रतिदिन एक मॉक टेस्ट जरूर देने की कोशिश करें। इससे जेईई मेन प्रवेश परीक्षा के दिन उम्मीदवारों को किसी तरह के प्रेशर का सामना नहीं करना पड़ेगा।

रिवीजन जरूर करें

सभी परीक्षा के लिए रिवीजन बहुत ही जरूरी है। इसके बिना परीक्षा को क्रैक नहीं कर सकते। इसलिए, उम्मीदवारों को समय रहते जो कुछ पढ़ा है उसे अच्छी तरह से दोहरा लेना चाहिए। इससे टॉपिक को याद करने में काफी मदद मिलेगी। आप जो भी टॉपिक पढ़े उसका हर सप्ताह रिवीजन भी करें। इससे आपको याद करते में मदद मिलेगी।

डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर संवारें अपना कॅरियर

डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। शरीर के अन्य भागों की तरह ही दांत भी मनुष्य के शरीर का एक अहम हिस्सा हैं। आमतौर पर ओरल हेल्थ का ख्याल रखना बेहद ही जरूरी माना जाता है और लोग इसका ख्याल रखते भी हैं। हालांकि दांतों व ओरल हेल्थ से संबंधित कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है और ऐसे में एक पेशेवर की जरूरत पड़ती है। वैसे जब ओरल हेल्थ को लेकर डॉक्टर का ख्याल आता है तो हम सभी डेंटिस्ट के पास जाना पसंद करते हैं। लेकिन अब, दंत चिकित्सा तेजी से बदल रही है, कई अवसरों और चुनौतियों का निर्माण कर रही है। दंत चिकित्सकों के रूप में मुख्य कॅरियर के अलावा, दंत चिकित्सा सहायक, डेंटल हाइजीन के क्षेत्र में भी आप कॅरियर के अवसर तलाश सकते हैं। तो चलिए आज हम जानते हैं कि डेंटल हाईजीनिस्ट बनकर आप अपना कॅरियर कैसे संवार सकते हैं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि डेंटल हाइजीनिस्ट एक दंत पेशेवर है जो मौखिक स्वास्थ्य में माहिर है। इनका मुख्य काम आमतौर पर मौखिक स्वच्छता और देखभाल में तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना होता है। दंत चिकित्सक और डेंटल हाइजिनिस्ट मरीजों की मौखिक स्वास्थ्य जरूरतों को पूरा करने के लिए एक साथ काम करते हैं। डेंटल हाइजिनिस्ट अमूमन डेंटिस्ट को मरीजों के दांतों की देखभाल करने और अच्छे मौखिक स्वास्थ्य को मेंटेन रखने में रोगियों को शिक्षित करने में सहायता करते हैं। डेंटल हाइजीनिस्ट के कुछ अधिक विशिष्ट कर्तव्यों में दांतों से टार्टर और प्लाक को हटाना, दांतों की सुरक्षा के लिए फ्लोराइड या सीलेंट लगाना, एक्स-रे लेना और उचित मौखिक स्वच्छता पर मरीजों को शिक्षित करना शामिल है। हाइजीनिस्ट मरीजों को अपने दांतों की देखभाल के बारे में बात करने में समय बिताते हैं। वे लोगों को उन प्रभावों के बारे में शिक्षित करते हैं जो उनके आहार और जीवन शैली का उनके दांतों पर प्रभाव डालते हैं। साथ ही वे दांतों को स्वस्थ रखने के लिए तकनीकों और आदतों के बारे में बताते हैं।

शैक्षिक योग्यता

डेंटल हाइजीनिस्ट कोर्स को कई डेंटल कॉलेजों में डिप्लोमा या सर्टिफिकिट कोर्स के रूप में पेश किया जाता है। जो छात्र डेंटल हाइजीनिस्ट का कोर्स करना चाहते हैं, उन्हें 12वीं की परीक्षा भौतिकी, रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान विषय में पास करना अनिवार्य है।

व्यक्तिगत योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, डेंटल हाइजीनिस्ट की आंखों की रोशनी, सुनने और संचार कौशल अच्छा होना चाहिए। किसी भी अन्य चिकित्सा क्षेत्र के साथ, उन्हें दूसरों की मदद करने की तीव्र इच्छा होनी चाहिए, और दंत चिकित्सकों के निर्देशों का बारीकी से पालन करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, अच्छा पारस्परिक कौशल, धैर्य, परिश्रम और उच्च स्तर की सटीकता एक अच्छा हाइजीनिस्ट होने के लिए आवश्यक कौशल हैं। एक टीम के रूप में काम करने की क्षमता भी इस क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक है।

संभावनाएं ही संभावनाएं

दंत चिकित्सा के क्षेत्र में बतौर डेंटल हाइजीनिस्ट बनकर भी आप एक अच्छा कॅरियर देख सकते हैं। एक डेंटल हाईजीनिस्ट अस्पताल से लेकर कम्युनिटी डेंटल सर्विस के रूप में काम कर सकते हैं। इसके अलावा वे पीरियोडोंटिक्स या बाल चिकित्सा दंत चिकित्सा में भी काम कर सकते हैं। डेंटल हाईजीनिस्ट डेंटल हॉस्पिटल, आर्म्ड फोर्स, पब्लिक हेल्थ सेक्टर व प्राइवेट रूप से भी प्रैक्टिस कर सकते हैं।

आमदनी

डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी उनकी शिक्षा, अनुभव व स्थान के आधार पर भिन्न होती है। एक डेंटल हाईजीनिस्ट की आमदनी घंटे, दिन, सैलरी या कमिशन बेस पर हो सकती है। हालांकि इस क्षेत्र में एक फ्रेशर प्रति माह आठ से दस हजार रूपए वेतन प्राप्त कर सकता है।

प्रमुख संस्थान

- भारत इंस्टीट्यूट ऑफ पैरामेडिकल एंड मैनेजमेंट टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- भारत यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- जया पैरामेडिकल कॉलेज एंड एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, हरियाणा
- लक्ष्मी बाई इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेस एंड हॉस्पिटल, पटियाला

कृषि का अध्ययन करने के बाद एक सफल उद्यमी कैसे बनें

उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी। उद्यमिता आजकल हर जगह पाई जा सकती है। हर पेशे में एक उद्यमी क्षेत्र होता है। उस विशेष क्षेत्र में कृषि निश्चित रूप से बहुत अहम भूमिका निभाता है। उद्यमिता और कृषि बिलकुल एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। कृषि एक उद्योग है, जो दुनिया भर में है और धरती की पूरी आबादी को प्रभावित करता है। और यह सही है कि कृषि उद्यमी की हमेशा जरूरत रहेगी।

उद्यमिता क्षेत्र के किसान आजकल अपने खेतों को व्यवसाय मानते हैं और वे उन्हें ऐसा ही मानेंगे। वे जोखिम लेने के लिए तैयार हैं, वे नई और इनोवेटिव तकनीकों का इस्तेमाल करेंगे और सामान्य तौर पर वे अपनी सामर्थ्य के हिसाब से सब कुछ करेंगे जो उन विचारों के साथ आएंगे जो उनके लाभ को अधिकतम करेंगे, उनके प्रयास को कम करेंगे और उनके व्यवसाय को बढ़ाएंगे। आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए उद्यमियों की भूमिका को मान्यता देते हुए विश्वविद्यालय और कॉलेज स्तर में कई पाठ्य कार्यक्रमों ने छात्रों के उद्यमिता कौशल को विकसित करने के लिए एक विषय के रूप में उद्यमिता को शामिल किया है। हालांकि, मौजूदा समय में नौकरियों को भरने के लिए कॉलेज में इस विषय का अध्ययन करने वाले पर्याप्त छात्र नहीं हैं। और इसके परिणामस्वरूप सफल कृषि व्यवसाय चलाने के अनुभव वाले कम लोग ही होंगे।

कृषि-उद्यमी बनने के लिए जरूरी कदम

प्रक्रिया का पहला चरण– यदि उद्यमिता की अवधारणा के साथ खुद को परिचित करना है तो आपको यह समझने की आवश्यकता है कि उद्यमशीलता क्या है और यह आपके खेत को कैसे लाभ पहुंचा सकती है।

दूसरा कदम– कृषि की दुनिया के सभी नए नए विचारों के बारे में सीखना है। नई सामग्रियों और उर्वरकों से लेकर नई मशीनों और प्रौद्योगिकियों तक। इससे आपको अपने खेत को एक वास्तविक बड़े व्यवसाय के रूप में कल्पना करने में और उन सभी छोटी छोटी चीजों को व्यवस्थित करने में, जो आपको याद आ रही हैं, काफी मदद मिलेगी।

तीसरा कदम– एक साझेदारी बनाना है। एक उद्यमी के रूप में सफल होने के लिए ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनकी आपको आवश्यकता होगी और आपको उन चीजों को प्रदान करने के लिए किसी की आवश्यकता भी संभवत: हो सकती है। उन लोगों के साथ सही साझेदारी बनाएं, जो आपके सपने और सफलता की महत्वाकांक्षा को साझा करते हैं।

चौथा कदम– कृषि के क्षेत्र में 'धमाकेदार' के साथ अपना नया 'स्टार्ट-अप' व्यवसाय शुरू करना है। आपको एक बहुत मजबूत और ठोस व्यवसाय योजना की आवश्यकता है। आपको कुछ जोखिम भी उठाने पड़ सकते हैं। यह जानना कि आप किस उद्देश्य से काम कर रहे हैं, सही व्यवसाय योजना बनाना बहुत कठिन काम नहीं है।

आपके लिए यह याद रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है कि साझेदारी आपके कृषि व्यवसाय के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यदि आप वास्तव में सफल उद्यमी बनना चाहते हैं तो आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप जो भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं, उसका ठीक से उपयोग करेंगे।

कैसे बनाएं अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर

प्रत्येक स्थान का इतिहास हजारों पांडुलिपियों, अभिलेखों, शिलालेखों, दस्तावेजों आदि में अंतर्निहति है, इन अद्वितीय अभिलेखों को वैज्ञानिक रूप से संरक्षित और अभिलेखीय अभिलेख या आर्काइवल रिकॉर्ड्स कहा जाता है, जो किसी विशेष क्षेत्र और समाज के इतिहास को समझने में मदद करते हैं। आमतौर पर लोग म्यूजियम, आर्काइव्स और लाइब्रेरी को लेकर भ्रमित हो जाते हैं, क्योंकि ये सभी सांस्कृतिक संस्थाएं हैं, जो सांस्कृतिक विरासत के संग्रह और संरक्षण से संबंधित हैं। यह तीनों ही इतिहास को संरक्षित रखने में मदद करते हैं, लेकिन फिर भी इनमें अंतर है। जहां, संग्रहालय ऐतिहासिक कलाकृतियों और वस्तुओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं, वहीं पुस्तकालय में प्रकाशित पुस्तकों, पत्रिकाओं आदि को रखा जाता है, जबकि आर्काइव्स अभिलेखों पर ध्यान केंद्रित करने में माहिर हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बताते हैं कि अभिलेखीय विज्ञान में कॅरियर कैसे बनाएं–

क्या होता है काम

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं। वे उन अभिलेखों का मूल्यांकन, संग्रह, आयोजन, संरक्षण और रखरखाव करते हैं, जिनके पास अतीत की विश्वसनीय यादों के रूप में स्थायी मूल्य होते हैं। वे ऐसे लोग हैं जो राष्ट्रीय और स्थानीय अभिलेखागार, विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, व्यवसायों, आदि में दस्तावेजीकरण के लिए जिम्मेदार हैं, वे कानूनी, वित्तीय और प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए रिकॉर्ड को संरक्षित और सुलभ बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

कॅरियर एक्सपर्ट के अनुसार, अधिकंाश कॉलेज और विश्वविद्यालय सूचना विज्ञान के साथ एक सहायक विषय के रूप में अभिलेखीय विज्ञान पढ़ाते हैं। वहीं, भारत में कुछ संस्थान ऐसे भी हैं, जो अभिलेखीय विज्ञान में सर्टिफकिट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं जैसे कि अभिलेखागार में पीजी प्रमाणपत्र, अभिलेखागार अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, अभिलेखागार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और अभिलेखागार और प्रबंधन और प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आदि।

व्यक्तिगत गुण

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक आर्काइविस्ट में बेहतर कम्युनिकेशन स्किन के अलावा एनालिटकल एंड रिसर्च स्किल्स, प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स और आर्गेनाइजेशनल एबिलिटी होना बेहद जरूरी है। उन्हें धैर्य रखने के अलावा

कॅरियर एक्सपर्ट कहते हैं कि एक व्यक्ति जो अभिलेखागार में काम करता है, उसे पेशेवर रूप से एक अभिलेखागार या आर्काइवल के रूप में जाना जाता है। अभिलेखागार ऐतिहासिक रिकॉर्ड संग्रह का प्रबंधन करने के लिए मानकों का पालन करते हैं।

सटीक, पूरी तरह से समझने और क्या जानकारी रखने के बारे में अच्छे निर्णय लेने में सक्षम होने की आवश्यकता है। उन्हें एक सुव्यवस्थित और व्यवस्थित तरीके से काम करना चाहिए, जानकारी को निजी रखने और दबाव में अच्छी तरह से काम करने में सक्षम होना चाहिए। इसके अलावा, एक आर्काइविस्ट को कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भी सही तरह से इस्तेमाल करना आना चाहिए।

संभावनाएं

आर्काइविस्ट विभिन्न संगठनों जैसे संग्रहालयों, सरकारी एजेंसियों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों, औद्योगिक और वाणिज्यिक फर्मों, ऐतिहासिक सोसाइटी, निगमों और अन्य कई संस्था में काम कर सकते हैं। वहीं, सरकारी क्षेत्रों में रोजगार की तलाश करने वालों को संघ लोक सेवा आयोग या कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित परीक्षाओं को पास करना होगा। भारत के राष्ट्रीय अभिलेखागार, संस्कृति मंत्रालय का एक संबद्ध कार्यालय, जो राष्ट्र के सभी महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अभिलेखागार का प्रबंधन करता है, अपनी विभिन्न इकाइयों में योग्य उम्मीदवारों को नौकरी के विभिन्न अवसर प्रदान करता है।

इस क्षेत्र में एक फ्रेशर शुरुआती वेतन 10000 रुपये से लेकर 15000 रुपये प्रति माह तक कमा सकता है। अनुभवी और योग्य पेशेवर प्रति माह लगभग 20,000 रुपये का वेतन प्राप्त कर सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपकी आमदनी भी बढ़ती है।

प्रमुख संस्थान

- नेशनल आर्काइव्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
- पटना यूनिवर्सिटी, पटना
- महर्षि दयानंद सरस्वती यूनिवर्सिटी, अजमेर
- द गांधीग्राम रूरल इंस्टीट्यूट, तमिलनाडु

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंबई की हवा हुई साफ, प्रदूषण का स्तर 44 फीसदी घटा

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की वायु गुणवत्ता बढ़ती आबादी, वाहनों की भीड़ और दिन-प्रतिदिन बदलते मौसम के कारण प्रदूषित होती जा रही है। इसके कारण मुंबईवासियों को कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, अब एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, यह बात सामने आई है कि मुंबई की वायु गुणवत्ता के स्तर में सुधार हुआ है। दरअसल सरकारी आंकड़ों से पता चला है कि मुंबई की वायु गुणवत्ता के स्तर में सुधार हुआ है। इस संबंध में जो जानकारी सामने आई है, उसके अनुसार, मुंबई की वायु गुणवत्ता के स्तर में सुधार हुआ है। देश में राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 130 शहरों में से 103 शहरों ने 2017-18 की तुलना में 2024 और 25 में अपने पीएम 10 के स्तर में सुधार किया है। इसमें मुंबई के प्रदूषण स्तर में 44 फीसदी की कमी दर्ज की गई है। मुंबई के बाद इस सूची में कोलकाता शहर शामिल है। जबकि दिल्ली में 15 फीसदी और चेन्नई में 12 फीसदी प्रदूषण के स्तर में कमी देखी गई है। सांसद अनिल देसाई और बाबूसिंह कुशवाहा ने बढ़ते प्रदूषण और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को लेकर मानसून संसदीय सत्र में यह मुद्दा उठाया था। उठाए गए एक सवाल का जवाब देते हुए केंद्रीय पर्यावरण राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने ये आंकड़े पेश किए। आंकड़ों के अनुसार, देश के 64 शहरों में पीएम 10 के स्तर में 20 प्रतिशत से ज़्यादा और 25 शहरों में 40 प्रतिशत से ज़्यादा की कमी आई है।

19 दिनों में 3.21 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने किए बाबा बर्फानी के दर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। 3 जुलाई को शुरू हुई वार्षिक अमरनाथ यात्रा के 19 दिनों में 3.21 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने पवित्र गुफा के दर्शन किए हैं। मंगलवार को 3,536 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू से पवित्र गुफा के लिए रवाना हुआ, इसमें 1,250 यात्री बालटाल आधार शिविर के लिए और 2,286 यात्री पहलगाम आधार शिविर के लिए निकले। प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि यात्रा सुचारु और शांतिपूर्ण तरीके से चल रही है। इस वर्ष यात्रा के लिए व्यापक और बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है, खासकर 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले के बाद अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सेना, बीएसएफ, सीआरपीएफ, एसएसबी और स्थानीय पुलिस के अतिरिक्त, सीएपीएफ की 180 अतिरिक्त कंपनियां तैनात की गई हैं। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए 8,000 से अधिक विशेष कमांडो भी तैनात किए गए हैं। छड़ी मुबारक (भगवान शिव की पवित्र छड़ी) का 10 जुलाई को पहलगाम में पूजन हुआ था। यह 4 अगस्त को श्रीनगर स्थित दशनामी अखाड़ा मंदिर से गुफा मंदिर की ओर अपनी अंतिम यात्रा शुरू करेगी और 9 अगस्त को पवित्र गुफा मंदिर पहुंचेगी, जो यात्रा का आधिकारिक समापन होगा। तीर्थयात्री कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3888 मीटर ऊपर स्थित पवित्र गुफा मंदिर तक या तो पारंपरिक 46 किलोमीटर लंबे पहलगाम मार्ग से या 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से पहुंचते हैं। इस वर्ष सुरक्षा कारणों से हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध नहीं है।

मुंबई में पति की हत्या कर लाश को घर में दफनाया और लगवा दिए चमचमाते टाइल्स

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई के नाला सोपारा में एक महिला सोनम और मुस्कान से खतरनाक निकली। उसने प्रेमी संग मिलकर अपने पति की हत्या करवा दी। इस दौरान महिला के सास ससुर और अन्य सदस्य घर से बाहर गए हुए थे। महिला ने पकड़े जाने की डर से लाश को ठिकाने लगाने के लिए घर में ही खुदाई करके अंदर दफना दिया। ऊपर से नए चमचमाते टाइल्स बिछवा दिए। हालांकि, 15 दिन बाद जब पीड़ित के परिजन घर पहुंचे, तो उन्हें बदले हुए टाइल्स देखकर शक हुआ। शक के आधार पर उन्होंने आरोपियों की मौजूदगी में खुदाई करवाई, जहां से मृतक की लाश बरामद हुई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। विजय और चमन की शादी को 10 साल हो गए थे। विजय घर की मरम्मत का काम करता था, जबकि चमन हाउस वाइफ है। दोनों का एक सात साल का बेटा भी है। पुलिस ने बताया कि जांच से पता चला कि चमन ने अपने पति के मोबाइल फोन का इस्तेमाल करके उनके बैंक खाते तक पहुंचने के लिए कई ओटीपी जनरेट किए थे। साथ ही उसने एटीएम से पैसे भी निकाले। पुलिस ने बताया कि, करीब एक महीने पहले विजय चव्हाण को बीमा पॉलिसी मैच्योर होने की एवज में 6 लाख रुपये मिले थे। उसके खाते में पहले से 2-3 लाख रुपये थे। वह इलाके में एक नया घर खरीदने की योजना बना रहा था। उसने अपना घर चमन के नाम कर दिया था। पिछले 15 दिनों से, विजय ने अपने भाइयों और चाचा या रिश्तेदारों के फोन कॉल का जवाब देना बंद कर दिया था। जब घरवाले पूछने के लिए आते थे तो पत्नि चमन लगातार उनके डाइवर्ट करती रही। उनको बताती रही कि विजय बोरीवली, कांदिवली और मलाड जैसे इलाकों में काम के सिलसिले में बाहर गए हैं।

भारतीय वायुसेना आज से राजस्थान में करेगी बड़ा सैन्य अभ्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना 23 से 25 जुलाई के बीच राजस्थान में बाड़मेर से जोधपुर तक एक बड़ा सैन्य अभ्यास करने वाली है। इस अभ्यास में राफेल, सुखोई-30 और जगुआर जैसे अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमानों के साथ-साथ भारतीय वायुसेना के बेड़े के अन्य विमान भी शामिल होंगे। भारतीय वायुसेना द्वारा राफेल और मिराज 2000 लड़ाकू विमानों का उपयोग करते हुए सीमा पर गहन अभ्यास किए जाने की उम्मीद है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, राजस्थान सीमा से लगे क्षेत्र में एक नोटम (वायुसैनिकों को सूचना) जारी किया गया है। गौरतलब है कि नोटम एक आधिकारिक अधिसूचना है जो पायलटों और हवाई यातायात नियंत्रकों को हवाई क्षेत्र के उपयोग में अस्थायी परिवर्तनों या खतरों के बारे में सूचित करने के लिए जारी की जाती है। ये सूचनाएँ उड़ान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये कर्मियों को बंद रनवे, हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों या नेविगेशनल सहायता में खराबी जैसे संभावित जोखिमों के प्रति सचेत करती हैं। अधिकारियों ने इसे एक पूर्व-नियोजित और नियमित प्रशिक्षण अभियान बताया है जिसका उद्देश्य हवाई और ज़मीनी दोनों तरह के लक्ष्यों सहित विभिन्न युद्ध परिदृश्यों का अनुकरण करना है। इस अभ्यास में जटिल रात्रिकालीन ऑपरेशन भी शामिल होंगे।

बांग्ला भाषा और बंगाली अस्मिता को मुद्दा बनाएगी ममता बनर्जी

- लोकसभा और राज्यसभा में बांग्ला में स्पीच देंगे सांसद

- पश्चिम बंगाल के साथ-साथ अन्य राज्यों में चुनौती

कोलकाता/नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल के साथ पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ एक नया चुनावी मुद्दा तैयार कर लिया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अगले वर्ष अप्रैल और मई माह में हो सकते हैं। जिस तरीके से भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल से ममता बनर्जी को सत्ता से हटाने के लिए भारतीय जनता पार्टी अभियान चला रही है। उसका विरुद्ध अब ममता बनर्जी ने शहीद दिवस की रैली के माध्यम से चुनावी अभियान का शंखनाद पश्चिम बंगाल के धर्मतल्ला से कर दिया है।

देशभर में जिस तरह बांग्ला भाषियों को बांग्लादेश का नागरिक और रोहिंग्या बताया जा रहा है। देश के अन्य राज्यों में जिस तरह से बंगालियों की एक नई पहचान भाषा के आधार पर बनाई जा रही है। उसको देखते हुए अब ममता बनर्जी ने बांग्ला अस्मिता को एक बड़ा मुद्दा बना दिया है। प्रवासी बांग्ला भाषी के नाम पर जिस तरह से बंगालियों का उत्पीड़न किया जा रहा है। वह पश्चिम बंगाल के साथ-साथ असम मिजोरम एवं अन्य राज्यों के साथ-साथ बिहार, दिल्ली इत्यादि राज्यों में बांग्ला भाषियों को अपमानित करने का जो काम किया जा रहा है। उसको लेकर ममता बनर्जी ने मां- माटी- मानुष का नारा उन्होंने 2011 में दिया था। 2021 में इसी नारे के आधार पर उन्होंने भाजपा को शिकस्त दी थी। एक बार फिर बांग्ला भाषियों को आधार बनाकर ममता बनर्जी ने विधानसभा युद्ध का शंखनाद कर दिया है। इस अभियान में ममता बनर्जी को पश्चिम बंगाल के साथ-साथ अन्य सीमावर्ती राज्यों और हिंदी भाषी राज्यों में भी बांग्ला भाषी लोगों के बीच में समर्थन मिलने लगा है। उससे ममता बनर्जी उत्साहित हैं। संसद के दोनों सदनों में सांसद बंगाल में अपना भाषण देकर इस अभियान को और उग्र करेंगे। दिल्ली में उन्होंने एक आंदोलन खड़ा कर दिया है। दिल्ली मैं बड़ी संख्या में बांग्ला भाषी हैं। भाषा के रूप में जो अभियान भाजपा ने दिल्ली में चलाया है। उसके कारण बांग्ला बोलने वाले भारतीय नागरिकों को बांग्लादेशी कहकर अपमानित किया जा रहा है। इसके शिकार हिंदू और मुस्लिम दोनों ही हो रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री जिस तरह से बांग्ला भाषियों को बांग्लादेश भेजने पर आमादा हैं। उसके बाद ममता बनर्जी का यह अभियान बांग्ला भाषाओं के बीच बड़ा प्रभाव डाल रहा है। पश्चिम बंगाल के साथ-साथ अन्य राज्यों में भाजपा को इसका नुकसान हो सकता है।

सांसद राघव चड्ढा की अपील, सभी नागरिकों को हर साल मुफ्त स्वास्थ्य जांच का कानूनी अधिकार मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने भारत के सभी नागरिकों को हर साल मुफ्त स्वास्थ्य जांच का कानूनी अधिकार देने की मांग की है। आप सांसद कहना है कि कोविड-19 महामारी के बाद हार्ट अटैक और अन्य गंभीर बीमारियों के मामले बढ़े हैं, इसके बाद अब यदि समय पर बीमारियों का पता लगने से कई लोगों की जान बचाई जा सकती है। सांसद चड्ढा ने अपील की कि प्रत्येक नागरिक को सालाना स्वास्थ्य जांच का कानूनी अधिकार मिलना चाहिए। सांसद का तर्क है कि कोविड के बाद दिल की बीमारियां और अन्य स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ी हैं, और समय पर निदान से लोगों की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने बताया कि कई विकसित देश अपने नागरिकों को मुफ्त सालाना स्वास्थ्य जांच की सुविधा देते हैं, जिसका खर्च सरकार वहन करती है। आप सांसद चड्ढा ने जोर दिया कि स्वास्थ्य सेवाएं केवल अमीरों के लिए नहीं होनी चाहिए; सभी को नियमित जांच की सुविधा मिलनी चाहिए, चाहे वे गरीब हों या अमीर। बात दें कि चड्ढा की यह टिप्पणी तब आई है जब हाल ही में कई युवा और स्वस्थ दिखने वाले लोगों में भी अचानक दिल का दौरा, स्ट्रोक और अन्य गंभीर बीमारियां देखी गई हैं। भारत में हर साल होने वाली 70 प्रतिशत से अधिक मौतें दिल से जुड़ी बीमारी, कैंसर, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और फेफड़ों की बीमारी जैसी गैर-संचारी बीमारियों के कारण होती हैं। लेकिन नियमित जांच से इन बीमारियों को काफी हद तक रोका जा सकता है। मोदी सरकार ने इस साल की शुरुआत में एक राष्ट्रव्यापी एनसीडी जांच अभियान शुरू किया था। इसका उद्देश्य 30 साल और उससे अधिक उम्र के सभी लोगों की डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, ओरल, ब्रेस्ट और सर्वाइकल कैंसर जैसे गैर-संचारी रोगों के लिए जांच करना था। यह अभियान आयुष्मान आरोग्य मंदिर और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों पर चलाया गया और इसने अपने 89.7 प्रतिशत लक्ष्य को पूरा किया है।

हज यात्रा को लेकर नई गाइडलाइन... कैंसर, टीबी, लीवर सिरोसिस, हृदय और किडनी रोगी ना करें आवेदन

-सामाजिक व धार्मिक संगठनों ने केंद्र और हज समिति से अपील

जमशेदपुर (एजेंसी)। हज यात्रा 2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू होते ही शहर के जायरीनों में उत्साह दिख रहा है, लेकिन स्वास्थ्य से जुड़ी नई शर्तों ने कई परिवारों की चिंता बढ़ा दी है। खासकर वे लोग जो लंबे समय से कैंसर, टीबी या गुर्दे की गंभीर बीमारी से परेशान हैं और उम्र के अंतिम पड़ाव पर हज जाना चाहते हैं। अब वे इस बार हजयात्रा से वंचित रह सकते हैं। केंद्रीय हज समिति की ओर से जारी दिशा-निर्देश के अनुसार, इस बार हज पर जाने वाले यात्रियों के लिए कुछ नई स्वास्थ्य शर्तें लागू की गई हैं। जिन लोगों को कैंसर, टीबी, लीवर सिरोसिस, हृदय रोग, किडनी (डायलिसिस पर रहने वाले) अथवा अन्य गंभीर बीमारियां हैं, वे हज यात्रा के लिए पात्र नहीं है।

इन शर्तों के मुताबिक, केवल वे जायरीन ही आवेदन करे, जो पूरी तरह स्वस्थ हों और लंबी यात्रा और मौसम की प्रतिकूलता झेल सकें। शहर के कई वरिष्ठ नागरिक जो वर्षों से हज की तैयारी में लगे थे, अब इस पाबंदी से भावुक हो उठे हैं। 68 वर्षीय मो. इमरान ने बताया कि वे कैंसर के इलाज से उबर चुके हैं और अब अपने जीवन के अंतिम वर्षों में हज जाना चाहते हैं। लेकिन नए नियमों के कारण उनका सपना अधूरा रह सकता है। इसी तरह जाकिरनगर की महिला ने कहा कि उनके पति को डायलिसिस पर है, इसके बाद अब हज जाने का सपना टूटता दिख रहा है। बात दें कि इस बार हज आवेदन के साथ मेडिकल फिटनेस प्रमाण पत्र भी अनिवार्य किया गया है। सभी आवेदकों को प्रमाणित डॉक्टर से अपनी शारीरिक स्थिति की जांच करानी होगी। साथ ही यह सुनिश्चित करना होगा कि आवेदक किसी गंभीर रोग से ग्रसित न हो। इसके बिना पासपोर्ट सत्यापन और आगे की प्रक्रिया पूरी नहीं की जाएगी।

अमेरिका ने भारत को सौंपे खतरनाक अपाचे हेलीकॉप्टर, पाक सीमा के पास होगी तैनाती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना की रक्षा क्षमताओं को और मजबूती मिली है। दरअसल अमेरिका से बोइंग एएच-64ई अपाचे अटैक हेलीकॉप्टरों का पहला जत्था बुधवार को भारत को सौंप दिया है। इन अत्याधुनिक युद्धक हेलीकॉप्टरों को जोधपुर में तैनात किया जाएगा, जो भारतीय सेना की सामरिक शक्ति को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। इस उपलब्धि को रक्षा क्षेत्र में एक 'मील का पत्थर' माना जा रहा है, क्योंकि ये हेलीकॉप्टर सेना को युद्धक्षेत्र में अभूतपूर्व ताकत और सटीकता प्रदान करते है।

रक्षा अधिकारियों ने बताया कि 'बोइंग' ने भारतीय सेना को तीन अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर सौंपे। कंपनी ने भारतीय सेना को छह हेलीकॉप्टर की सप्लाई के कॉन्ट्रैक्ट के तहत एएच-64ई अपाचे हेलीकॉप्टर सौंपे। एएच-64 अपाचे दुनिया के सबसे एडवांस बहुउद्देशीय लड़ाकू हेलीकॉप्टरों में से एक है और इन्हें अमेरिकी सेना उड़ाती है। सेना ने पोस्ट में कहा, ''ये अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर भारतीय सेना की परिचालन क्षमताओं को काफी मजबूत करेगा।

बोइंग ने 2020 में वायुसेना को 22 ई-मॉडल अपाचे की आपूर्ति पूरी की थी और भारतीय सेना के लिए छह एएच-64ई की आपूर्ति के लिए एक कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किए थे। भारतीय सेना के अपाचे की आपूर्ति 2024 में शुरू होने वाली थी बात दें कि बोइंग एएच-64ई अपाचे को दुनिया के सबसे उन्नत हमलावर हेलीकॉप्टर माना जाता है। ये हेलीकॉप्टर अत्याधुनिक तकनीक से लैस हैं। हेलीकॉप्टर में हेलफायर मिसाइलें, रॉकेट और 30 मिमी ऑटोमैटिक तोप शामिल हैं, जो दुश्मन के ठिकानों को सटीकता से नष्ट करने में सक्षम हैं। इतना ही नहीं रात में और प्रतिकूल मौसम में भी ऑपरेशन की क्षमता, जिससे यह हर स्थिति में प्रभावी है। अपाचे की डिजाइन तेज और फुर्तीला बनाती है, जो युद्धक्षेत्र में त्वरित प्रतिक्रिया के लिए आदर्श है।

इन हेलीकॉप्टरों को जोधपुर में तैनात करने का निर्णय सामरिक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण है। जोधपुर, पश्चिमी सीमा के करीब होने के कारण, एक रणनीतिक स्थान है। यह क्षेत्र भारत-पाकिस्तान सीमा के निकट है, जहां सेना को तेज और प्रभावी प्रतिक्रिया की आवश्यकता होती है। अपाचे हेलीकॉप्टरों की तैनाती से इस क्षेत्र में सेना की ऑपरेशनल क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इन अत्याधुनिक हेलीकॉप्टरों को यूक्रेन की एंटोनोव एयरलाइंस के विशाल एंटोनोव एन-124 रुसलान द्वारा एरिजोना से सीधे भारत के हिंडन एयर बेस पर लाया गया। इस विमान पर बी ब्रेव लाइक बुचा लिखा हुआ था, जो यूक्रेन के बुचा शहर के साहस और प्रतिरोध का प्रतीक है। एंटोनोव एन-124 दुनिया का सबसे बड़ा सैन्य परिवहन विमान है, जो भारी और विशाल कार्गो को लंबी दूरी तक ले जाने में सक्षम है।

कावंड यात्रा मार्ग पर ढाबा-रेस्तरां पर क्यूआर कोड की अनिवार्यता जारी रहेगी, योगी सरकार को राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कावंड यात्रा मार्ग पर ढाबा-रेस्तरां पर क्यूआर कोड की अनिवार्यता जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल उत्तर प्रदेश सरकार के आदेश पर रोक लगाने से इंकार किया है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और एनके सिंह की बेंच ने मंगलवार को मामले पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट में योगी सरकार के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि क्यूआर कोड का नियम धार्मिक आधार पर भेदभाव और मुस्लिम समुदाय के आर्थिक बहिष्कार की कोशिश है। इस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि फिलहाल क्यूआर कोड की अनिवार्यता वाले आदेश पर रोक नहीं लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि सभी संबंधित होटल मालिक अपने लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट को वैधानिक आवश्यकताओं के अनुसार प्रदर्शित करें। मामले की सुनवाई करते हुए जस्टिस सुंदरेश ने टिप्पणी की कि यह व्यक्तिगत पसंद का मामला है कि लोग कहां खाना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि बहुत से लोग हैं जो मांसाहारी भोजन परोसने वाली जगहों पर नहीं खाते हैं, इसलिए यह जानने के लिए कोई संकेत होना चाहिए कि

क्या परोसा जा रहा है। कोर्ट ने कहा कि धार्मिक भावनाएं आहत न हों, लेकिन साथ ही किसी की आजीविका भी प्रभावित न हो और बीच का रास्ता निकालना होगा। वहीं याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश हुए अभिषेक मनु सिंघवी ने पिछले साल के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया, जिसमें राज्य सरकार के इस तरह के फैसले पर रोक लगाई गई थी। उन्होंने तर्क दिया कि इस नए आदेश से पहले सरकार को अदालत से अनुमति लेनी चाहिए थी। फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट ने क्यूआर कोड के अन्य विवादित मुद्दों पर विचार नहीं किया है और केवल लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट प्रदर्शित करने के आदेश को ही पारित किया है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले की जानकारी देकर अधिवक्ता बरुण सिन्हा ने कहा, क्यूआर कोड के मामले में न्यायालय ने मंगलवार को कोई आदेश पारित करने से इंकार किया है। कोर्ट ने सिर्फ मुस्लिम पक्ष द्वारा दायर अंतरिम आवेदन पर अपना फैसला सुनाया। आदेश है कि उन्हें लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट दिखाना होगा।

बिहार विधानसभा में विपक्ष का हंगामा, काले कपड़े पहनकर पहुंची राबड़ी देवी

सत्तापक्ष का तंज....विपक्ष पर शनिचर ग्रह चल रहा

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया, जिसके चलते सदन को 2 बजे तक के लिए स्थगित करना पड़ा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के विधायक, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी भी शामिल थीं, काले कपड़े पहनकर सदन में आए थे और उन्होंने एसआईआर (एसआईआर) और अपराध के बढ़ते मामलों को लेकर नीतिश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान सभी विपक्षी सदस्य, जिसमें राबड़ी देवी भी शामिल थीं, ने काले कपड़े पहनकर विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि बिहार में एसआईआर नहीं बल्कि वोटबंदी का अभियान चल रहा है।

दरअसल विपक्ष बिहार में एसआईआर और कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर सदन में बहस की मांग कर रहा था। उनकी मांग पूरी न होने पर उन्होंने प्लेकार्ड लेकर हंगामा करना शुरू कर दिया। हंगामे के चलते विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने सदन को 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। विधान परिषद की कार्यवाही भी शोर-शराबे के कारण स्थगित करनी पड़ी। वहीं भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के विधायकों ने विपक्ष के काले कपड़े पहनने पर तीखी प्रतिक्रिया दी। हरिभूषण ठाकुर बचौल ने कहा कि विपक्ष आने वाले समय में जनता द्वारा कालिख पोतने का रिहर्सल कर रहा है, और उनकी मंशा सदन को न चलने देने की है। वहीं डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने आरोप लगाया कि विपक्ष काले कपड़े में अपने काले कारनामे छिपाना चाहता है। वहीं डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने व्यंग्य किया कि विपक्ष पर शनिचर ग्रह चल रहा है, इसलिए वे काले कपड़े पहन रहे हैं, लेकिन इसका कोई फायदा नहीं होगा।

सरकार की तैयारी: वाहन में बच्चे हैं और नियम तोड़ा तो दो गुना लगेगा जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। यातायात के नियमों को ठेंगा दिखाने वालों पर सरकार शिकंजा कसने जा रही है। इसके लिए सड़क परिवहन मंत्रालय एक नया नियम लाने जा रहा है, जिसके लिए प्रस्ताव रखा गया है। यह नियम उन लोगों के लिए है जो बच्चों के साथ गाड़ी चलाते हैं। अगर ऐसे लोग ट्रैफिक नियम तोड़ते हैं, तो उन पर औरों से ज्यादा जुर्माना लगेगा। सरकार ड्राइवरों के लिए एक मेरिट और डिमेरिट (पॉजिटिव और नेगेटिव) पॉइंट सिस्टम भी शुरू करेगी। मतलब ट्रैफिक नियमों का पालन करने वालों को इनाम और अनदेखी करने वालों को सजा मिलेगी।

इस प्रस्ताव पर एक रोड सेफ्टी एक्सपर्ट का कहना है कि आज भी ट्रैफिक पुलिस सिर्फ कुछ ही अपराधों के लिए चालान काटती है, जैसे कि तेज गति, शराब पीकर गाड़ी चलाना, लाल बत्ती जंप करना, फोन का इस्तेमाल करना और सीट बेल्ट या हेलमेट न पहनना। जबकि मोटर व्हीकल एक्टमें 100 से ज्यादा अपराध शामिल हैं। नए नियम के तहत मेरिट और डिमेरिट पॉइंट सिस्टम में सरकार एक सीमा तय करेगी। अगर किसी ड्राइवर के नेगेटिव पॉइंट उस सीमा से ज्यादा हो जाते हैं, तो उसका ड्राइविंग लाइसेंस रद्द भी हो सकता है। इसका मतलब है कि अगर आप बार-बार ट्रैफिक नियम तोड़ते हैं, तो आपका लाइसेंस रद्द हो सकता है। यह एक गंभीर सजा है। प्रस्तावित बदलावों में यह भी शामिल है कि अगर किसी ड्राइवर लाइसेंस शख्स ने ट्रैफिक नियम तोड़े हैं, तो उसे लाइसेंस रिन्यू कराने से पहले ड्राइविंग टेस्ट देना होगा। यह नियम उन लोगों पर लागू होगा जिनके लाइसेंस की अवधि खत्म होने वाली है। इसका मतलब है कि अगर आपने पहले गलती की है, तो आपको दोबारा साबित करना होगा कि आप सुरक्षित गाड़ी चला सकते हैं।

मंत्रालय, मोटर वाहन अधिनियम में बदलाव करने की सोच रहा है, इसका मकसद सड़कों को सुरक्षित बनाना है। सरकार ने यह फैसला इसलिए लिया है क्योंकि लोग बच्चों के साथ गाड़ी चलाते समय नियमों का ध्यान नहीं रखते। स्कूल बसें भी अक्सर नियम तोड़ती हैं। जुर्माना बढ़ने से लोग डरेंगे और नियमों का पालन करेंगे। इससे सड़क दुर्घटनाएं कम होंगी। हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि सिर्फ नियम बनाने से कुछ नहीं होगा। अगर नियमों को ठीक से लागू नहीं किया गया, तो यह भ्रष्टाचार का एक और तरीका बन सकता है। मंत्रालय ने इंश्योरेंस प्रीमियम को भी ड्राइवरों के व्यवहार से जोड़ने का प्रस्ताव रखा है। इसका मतलब है, जो ड्राइवर अच्छे से गाड़ी चलाएंगे, उन्हें इंश्योरेंस प्रीमियम में छूट मिल सकती है। यह एक अच्छा प्रोत्साहन है, जो लोग सुरक्षित गाड़ी चलाते हैं, उन्हें इसका फायदा मिलेगा। इन सभी बदलावों का मकसद यही है कि लोग ट्रैफिक नियमों का पालन करें और सड़कें सुरक्षित रहें। सरकार चाहती है कि लोग अपनी जिम्मेदारी समझें और दूसरों की जान की परवाह करें। सड़क सुरक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है। हालांकी कुछ एक्सपर्ट ने सवाल खड़ा किया है कि नए प्रस्ताव के तहत कैमरे कैसे पहचानेंगे कि कार की पिछली सीट पर कोई नाबालिग बैठा है या नहीं? और क्या पुलिस वाले गाड़ियों को

रोककर अंदर बैठे लोगों की उम्र चेक करेंगे? कानून बनाते समय हम पूरे भारत के बारे में नहीं सोचते, बल्कि सिर्फ दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और बड़े शहरों के बारे में सोचते हैं। इसका मतलब है कि नियम बनाना आसान है, लेकिन उन्हें लागू करना मुश्किल है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खैबर पख्तूनख्वा सीनेट चुनाव में इमरान खान की पार्टी ने हासिल की छह सीटें

- प्रांतीय विधानसभा के 145 सदस्यों के मतदान से संपन्न हुआ चुनाव

पेशावर (एजेंसी)। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हुए सीनेट चुनाव में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने जबरदस्त जीत दर्ज की है। 11 में से छह सीटें पीटीआई ने जीतीं, जबकि विपक्षी दलों को पांच सीटें मिलीं। यह चुनाव प्रांतीय विधानसभा के 145 सदस्यों के मतदान से संपन्न हुआ। सात सामान्य सीटों पर हुए चुनाव में पीटीआई ने चार सीटें जीतीं। मुराद सईद, फैसल जावेद, मिर्जा अफरीदी और नूरुल हक कादरी ने पीटीआई के लिए सफलता सुनिश्चित की। विपक्षी दलों में पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज के नियाज अहमद, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के तल्हा महमूद और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम के अता-उल-हक ने तीन सामान्य सीटें जीतीं। महिला आरक्षित सीटों पर भी पीटीआई ने अपना दबदबा कायम रखा। पार्टी की रुबीना नाज ने महिला आरक्षित सीट पर जीत दर्ज की, वहीं पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी की रुबीना खालिद ने दूसरी महिला आरक्षित सीट जीती। इससे पीटीआई ने कुल छह सीटों पर जीत दर्ज की है जबकि विपक्षी दलों को पांच सीटें मिली हैं। प्रांतीय चुनाव आयोग के प्रवक्ता ने बताया कि मतदान पूरी निष्पक्षता और शांति के साथ संपन्न हुआ। सभी 145 प्रांतीय सदस्यों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इस चुनाव परिणाम से स्पष्ट होता है कि खैबर पख्तूनख्वा में इमरान खान की पार्टी का प्रभाव मजबूत बना हुआ है। यह जीत पीटीआई के लिए बड़े राजनीतिक फायदे लेकर आ सकती है, खासकर आगामी राष्ट्रीय और प्रांतीय चुनावों की तैयारी के लिहाज से। विपक्षी दलों के लिए यह चुनौती बनी रहेगी कि वे अपने आधार को और मजबूत करें। कुल मिलाकर खैबर पख्तूनख्वा के इस सीनेट चुनाव में इमरान खान की पार्टी ने अपनी स्थिति मज़बूत कर दिखाई है, जो आने वाले समय में क्षेत्रीय और राष्ट्रीय राजनीति पर प्रभाव डाल सकती है।

मधुमक्खियों को बचाने सरकार के विरोध में खड़े हुए 10 लाख लोग

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस में मधुमक्खियों को बचाने के लिए 10 लाख लोगों ने सरकार के खिलाफ आवाज उठाई है। दरअसल, सरकार मधुमक्खियों को मारने वाले कीटनाशक एसेटामिप्रिड को मंजूरी देने वाला नया कानून ला रही है। लाखों लोगों ने इस कानून को वापस लेने की मांग करते हुए एक ऑनलाइन याचिका पर हस्ताक्षर किए। यह कीटनाशक 2018 से फ्रांस में प्रतिबंधित है, लेकिन अब डुपलोंब कानून के तहत इसे फिर से अनुमति देने का रास्ता खोला गया है। गौरतलब है कि जून के अंत में कानून पारित होने से पहले पूरे फ्रांस में किसान, पर्यावरणविद् और वैज्ञानिक सड़कों पर उतरकर इसका विरोध कर चुके हैं। यह याचिका 23 वर्षीय मास्टर्स छात्रा एलेनोर पैटेरी ने 10 जुलाई को शुरू की थी, जो खुद को फ्रपर्यावरणीय विशेषज्ञफ्र बताती हैं। याचिका को फिल्म कलाकारों, वामपंथी सांसदों और नागरिक संगठनों का समर्थन मिल रहा है। शनिवार और रविवार के बीच ही इसमें 5 लाख से ज्यादा हस्ताक्षर जुटाए गए। विरोध करने वालों का कहना है कि यह कानून पर्यावरण, जैव विविधता, सार्वजनिक स्वास्थ्य और जलवायु नीति के खिलाफ सीधी चोट है। इन लोगों के मुताबिक, एसेटामिप्रिड फ्रबी-कीलरफ्र यानी मधुमक्खियों का हत्यारा है, जबकि वैज्ञानिकों का कहना है कि इसके इंसानों पर असर को लेकर भी गंभीर चिंता है, हालांकि इस पर व्यापक शोध अभी नहीं हुआ है। वहीं, इस कानून के समर्थकों का कहना है कि किसान पहले से ही अत्यधिक नियमों से दबे हुए हैं और यह कानून उनकी समस्याओं को कम करने में मदद करेगा। विशेष रूप से बीट और हेज़लनट की खेती करने वाले किसानों को कीट नियंत्रण के लिए इसका विकल्प नहीं मिल रहा है। फ्रांस की नेशनल असेंबली की स्पीकर याएल ब्रॉन-पिवे ने रविवार को स्पष्ट किया कि वह कानून को वापस नहीं लेंगी क्योंकि यह फ्रहमारे कुछ किसानों को बचा सकता है। हालांकि उन्होंने कहा कि 5 लाख हस्ताक्षरों के आंकड़े को पार करने पर इस मुद्दे पर सार्वजनिक बहस जरूर हो सकती है, लेकिन कानून को पलटना संभव नहीं होगा क्योंकि यह पहले ही संसद से पारित हो चुका है।

जर्मनी में जन्म दर पिछले दो दशकों में सबसे न्यूनतम स्तर पर

-यह देश के आर्थिक और सामाजिक संतुलन के लिए गंभीर खतरा

बर्लिन (एजेंसी)। जर्मनी जनसांख्यिकीय चुनौती का सामना कर रहा है, जो देश की सामाजिक संरचना से लेकर आर्थिक भविष्य तक को प्रभावित कर सकती है। ताज़ा आंकड़ों के मुताबिक 2024 में जर्मनी की कुल प्रजनन दर 1.35 बच्चे प्रति महिला पर आ गई है, जो पिछले दो दशकों का सबसे न्यूनतम स्तर है। यह देश के आर्थिक और सामाजिक संतुलन के लिए गंभीर संकेत है। 2024 में कुल 6,77,117 बच्चों का जन्म हुआ, जो 2023 की तुलना में 15,872 कम हैं। इसमें 2 फीसदी की गिरावट आई है, हालांकि यह गिरावट 2022 और 2023 की तुलना में थोड़ी धीमी है, जब जन्म दर में क्रमशः 8फीसदी और 7फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। जन्म दर में यह गिरावट पूरे देश में समान नहीं है। पूर्वी जर्मनी का थुरिंगिया राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित रहा, जहां जन्म दर में 7फीसदी की गिरावट आई और यह घटकर 1.24 तक पहुंच गई। इसके विपरीत दक्षिण-पश्चिमी राज्य बाडेन-वुर्टेमबर्ग में यह गिरावट केवल 1फीसदी रही और जन्म दर 1.39 रही। यह अंतर जर्मनी के क्षेत्रीय सामाजिक और आर्थिक ढांचे की असमानताओं को उजागर करता है। 2024 में माताओं की औसत आयु 31.8 वर्ष और पिताओं की 34.7 वर्ष रही, जो 2021 से स्थिर बनी हुई है। पहली बार माता-पिता बनने वालों की औसत आयु भी बढ़कर क्रमशः 30.4 और 33.3 वर्ष हो गई है, जिससे यह साफ होता है कि युवा अब बच्चे पैदा करने में देरी कर रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक जन्म दर में गिरावट के पीछे महामारी, यूक्रेन युद्ध, महंगाई और जलवायु परिवर्तन जैसे कई जटिल कारण हैं, जिन्होंने लोगों के जीवन की प्राथमिकताओं को बदल दिया है।

रूस-यूक्रेन के बीच शांति वार्ता आज: जेलेंस्की और पुतिन के बीच सहमति को लेकर संशय

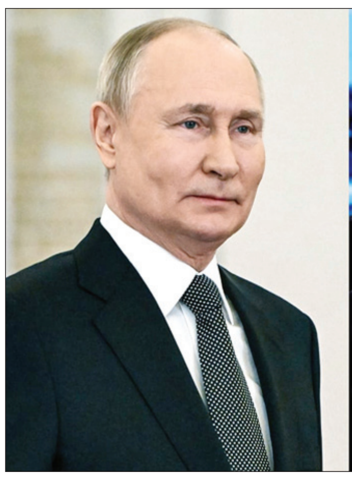

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध समाप्ति को लेकर दो बार बैठकें हो चुकी हैं। नतीजा जहां का तहां है। अब तीसरी बार नए दौर की बैठक बुधवार को इस्तांबुल में होने जा रही है। नतीजा क्या होगा ये कोई नहीं जानता। यह वार्ता इस्तांबुल में पहले हुई दो दौर की बैठकों के बाद हो रही है। बता दें कि दोनों ही बैठकों में युद्ध खत्म करने को लेकर कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को अपने संबोधन के दौरान यह जानकारी दी थी।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि आज मैंने यूक्रेनी सुरक्षा परिषद प्रमुख] रुसतेम उमेरोव के साथ कैदियों की अदला-बदली और रूस के साथ तुर्की में होने वाली आगामी बैठक की तैयारियों को लेकर चर्चा की। उमेरोव ने बताया कि यह बैठक बुधवार को प्रस्तावित है।

बता दें इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को 50 दिन क अल्टीमेटम दिया था कि यूक्रेन के साथ वो युद्धविराम कर लें। हालांकि रूस की ओर से जवाब आया था कि उन्हें धमकियों की परवाह नहीं है। किसी तरह पुतिन शांतिवार्ता के लिए तैयार तो हैं लेकिन उन्होंने पहले ही साफ कर दिया है - हम इस संकट का शांतिपूर्ण समाधान चाहते हैं लेकिन अपने लक्ष्यों से पीछे नहीं हटेंगे। हालांकि रूस की मीडिया ने एक अज्ञात सूत्र के हवाले से दावा किया है कि यह वार्ता गुरुवार को आयोजित की जाएगी। इससे पहले सोमवार को क्रेमलिन ने पुष्टि की कि एक और दौर की वार्ता की योजना बनाई जा रही है, लेकिन अभी सटीक तारीखों की सार्वजनिक घोषणा नहीं की गई है।

जेलेंस्की ने वार्ता का प्रस्ताव शनिवार को रखा था, जब रूस के हवाई हमलों से एक बार फिर यूक्रेन के कई हिस्सों में तबाही मची थी। इसके बाद ही क्रेमलिन ने उम्मीदों पर लगाम लगाते हुए कहा कि 'इस वार्ता से पहले अभी भी बहुत सारा कूटनीतिक कार्य बाकी है। जहां यह वार्ता रूस-यूक्रेन संघर्ष में संभावित समाधान की एक नई उम्मीद के रूप में देखी जा रही है, वहीं रूस का रुख बता रहा है कि वो किसी सकारात्मक निर्णय की ओर जाने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं ले रहा है। वो बात अलग है कि वार्ता से पहले ही पश्चिमी देशों ने रूस को और अधिक प्रतिबंधों की धमकी दे रखी है।

थॉमस बैरक का बेरूत दौरा..लेबनान की संप्रभुता तथा शांति प्रक्रिया को लेकर दिया बयान

वाशिंगटन। अमेरिकी विशेष दूत थॉमस बैरक ने बेरूत का दौरा किया और लेबनान की संप्रभुता तथा शांति प्रक्रिया को बनाए रखने में अमेरिका के योगदान पर जोर दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका इजरायल को किसी बात के लिए मजबूर नहीं कर सकता। बैरक ने कहा कि अमेरिका की यह जिम्मेदारी नहीं है कि वह इजरायल को बाध्य करे, लेकिन वह अपने कूटनीतिक प्रयासों से संघर्ष का शांतिपूर्ण समाधान निकालने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। बैरक ने स्वीकार किया कि लेबनान और इजरायल के बीच हुआ सीजफायर समझौता प्रभावी नहीं हो पाया, और इसकी विफलता के कारणों को दूर करने के लिए सामूहिक प्रयास जारी हैं। बैरक ने कहा कि हिजबुल्लाह का निरस्त्रीकरण पूरी तरह से एक आंतरिक मामला है, लेकिन वॉशिंगटन इस दिशा में लेबनानी सरकार के साथ काम करने को तैयार है। लेबनान का ज्ञापन- लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने अमेरिकी राजदूत को एक मसौदा ज्ञापन सौंपा, जिसमें 27 नवंबर 2024 से इजरायल के साथ प्रभावी हुए युद्धविराम के बाद लेबनान की प्रतिबद्धताओं का विवरण दिया गया है। इसमें लेबनान की पूरी भू-भाग पर राज्य की संप्रभुता लागू करने और हथियारों के स्वामित्व को केवल लेबनानी सेना तक सीमित रखने की मंशा दोहराई गई है। अमेरिका और फ्रांस की मध्यस्थता में हुए युद्धविराम समझौते के बावजूद, इजरायली सेना ने समय-समय पर लेबनान में हमले किए हैं, यह दावा करते हुए कि ये हमले हिजबुल्लाह के खतरों को खत्म करने के लिए किए गए। इजरायल ने 18 फरवरी तक पूरी तरह वापसी की समय-सीमा के बावजूद लेबनानी सीमा क्षेत्र में पांच प्रमुख ठिकानों पर अपनी सैन्य उपस्थिति बनाए रखी है।

बड़ी चाल की आहट: अगस्त में हर बार बीजिंग से गायब हो जाते शी जिनपिंग?

बीजिंग (एजेंसी)। हर साल अगस्त महीने में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग राजधानी बीजिंग से गायब हो जाते हैं। इस वार भी वे गायब होने वाले हैं।माना जा रहा है कि वो समुद्री रिसॉर्ट बेदाईहे में पार्टी नेताओं के साथ मीटिंग करेंगे। लेकिन अंतरराष्ट्रीय हलकों में उनके हर साल के इस तरह गायब हो जाने को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जाती हैं, क्या ये एक सामान्य परंपरा है, या उनकी सत्ता पर खतरे की आहट? बीजिंग से करीब तीन घंटे की दूरी पर स्थित बेदाईहे, सिर्फ छुट्टियां मनाने की जगह नहीं, चीन की सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी की नीतियां यहां तय होती हैं। माओत्से तुंग के समय से ही पार्टी के शीर्ष नेता यहां हर गर्मी में जुटते हैं। लेकिन इस बार माहौल अलग है।

हर साल अगस्त में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के बड़े नेता बेदाईहे रिट्रीट में सीक्रेट समर मीटिंग में जाते हैं, लेकिन इस बार बहुत कुछ अलग है। ताइवान के साथ तनाव चरम पर है तो अमेरिका से निपटना भी है। घर में बेरोजगारी रिकॉर्ड स्तर पर है। रियल स्टेट ढहने की कगार पर है। ऐसी हालत में राष्ट्रपति का अचानक ओझल हो जाना असामान्य माना जा रहा है। 2023 में भी इसी समय शी अचानक सार्वजनिक मंचों से दूर हुए थे, जिसके कुछ ही हफ्तों बाद चीन ने अपने रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री को बर्खास्त कर दिया था। इस बार भी कोई पलटवार तो नहीं? 2025 में चीन घरेलू आर्थिक संकट, युवाओं में बेरोजगारी, संपत्ति बाजार की गिरावट और वैश्विक दबावों का सामना कर रहा है। इसके साथ ही, शी जिनपिंग के करीबी सहयोगियों के हटाए जाने या गायब होने की खबरों ने भी हलचल मचा दी है। पिछले वर्ष पूर्व विदेश मंत्री किन गैंग और रक्षा मंत्री ली शांगफु को अचानक पदों से हटाना और उनकी लंबी चुप्पी ने यह सवाल खड़ा कर दिया था कि पार्टी के भीतर कुछ उथल-पुथल चल रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, शी, जिन्होंने 2022 में तीसरा कार्यकाल लेकर खुद को सबसे लोकप्रिय नेता के रूप में स्थापित किया है, अब शायद फंसते दिख रहे हैं।

ईरान के अड़ियल तेवर पर भड़का अमेरिका, ट्रंप ने कहा- जरुरत पड़ी तो करेंगे हमला

वॉशिंगटन (एजेंसी)। ईरान के अड़ियल तेवरों से अमेरिका काफी खफा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो यहां तक कह दिया कि ईरान का रवैया नहीं सुधरा और जरुरत पड़ी तो हमला करने से पीछे नहीं हटेंगे। उन्होंने ट्रुथ सोशल पर दावा किया कि ईरान दोबारा परमाणु हथियार बना रहा है और उन्होंने भविष्य में ईरान पर और हमलों की धमकी दी है। अमेरिका पहले ही 21 जून को ईरान के प्रमुख न्यूक्लियर सेंटर्स को अपने सबसे घातक बंकर बर्स्टर बम से निशाना बना चुका है, जिससे ईरान के परमाणु हथियार बनाने की मंशा को तगड़ा झटका लगा था। इसके एक महीने बाद एक बार फिर डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को ये धमकी दी है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है कि वह अपनी परमाणु सुविधाओं का पुनर्निर्माण न करे, क्योंकि उनके अनुसार हाल ही में हुए अमेरिकी हमलों ने ईरान की साइट्स को पूरी तरह नष्ट कर दिया है। इसी बीच ईरानी विदेश मंत्री ने एक कार्यक्रम में ये बात कही थी कि फिलहाल परमाणु कार्यक्रम को इसलिए रोका गया है क्योंकि नुकसान बेहद गंभीर है। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि संवर्धन कार्यक्रम को नहीं छोड़ सकते क्योंकि यह हमारे अपने वैज्ञानिकों की उपलब्धि है। उन्होंने इसे ईरान के राष्ट्रीय गौरव से जोड़ा। डोनाल्ड ट्रंप का ये बयान तब दिया है, जब ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने माना कि अमेरिका के जून में किए गए सैन्य हमलों से ईरान की परमाणु सुविधाएं बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं और यूरेनियम संवर्धन पूरी तरह से रुक गया है। हालांकि इसके साथ ही अराघची ने यह भी कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी, तो ईरान इसे फिर से करेगा।

ईरान के विदेश मंत्री के इस बयान के बाद भड़के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा- ईरान के विदेश मंत्री, अब्बास अराघची, ईरान के परमाणु स्थलों पर कहा कि 'नुकसान बहुत ज्यादा है, वे नष्ट हो गए हैं' बिल्कुल वैसा ही, जैसा मैंने कहा था और जरूरत पड़ने पर हम फिर से ऐसा करेंगे!

ट्रंप के करीबी की चेतावनी : भारत, चीन और ब्राजील पर इतने टैरिफ लगाएंगे कि इकोनॉमी क्रैश हो जाएगी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और प्रभावशाली सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने भारत, चीन और ब्राजील को रूस के साथ व्यापारिक संबंधों को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर इन देशों ने रूस से तेल की खरीद बंद नहीं की, तो अमेरिका भारी टैरिफ लगाकर इनकी अर्थव्यवस्थाओं को तबाह कर देगा। एक इंटरव्यू के दौरान सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा, कि अगर आप रूस से सस्ता तेल खरीदते रहेंगे, तो यह युद्ध कभी नहीं रुकेगा। हम आप पर इतना टैरिफ लगाएंगे कि आपकी इकोनॉमी क्रैश हो जाएगी। उन्होंने दावा किया कि ट्रंप प्रशासन इस पर गंभीरता से विचार कर रहा है कि रूस से तेल आयात करने वाले देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगाया जाए। ग्राहम ने यह भी कहा कि भारत, चीन और ब्राजील रूस से करीब 80फीसदी तेल आयात कर रहे हैं, जिससे पुतिन को यूक्रेन युद्ध में आर्थिक मदद मिल रही है। उन्होंने इन देशों पर यह आरोप भी लगाया कि इनकी वजह से यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच रहा है।

पुतिन पर तीखा हमला- ग्राहम ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भी जमकर लताड़ा। उन्होंने कहा, कि पुतिन उन देशों पर कब्जा करना चाहते हैं जिन पर उनका कोई अधिकार नहीं। उन्होंने यूक्रेन के साथ किया गया वादा तोड़ा, जिसके तहत यूक्रेन ने 1700 परमाणु हथियार त्याग दिए थे। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अमेरिका यूक्रेन को इतने हथियार देगा कि वह मजबूती से पुतिन का मुकाबला कर सके। ग्राहम की यह चेतावनी आर्थिक दबाव के जरिए कूटनीतिक दबाव बनाने की कोशिश के रूप में देखी जा रही है। हालांकि भारत सहित कई देश इसे राष्ट्रीय हित का मामला मानते हैं और ऐसे अमेरिकी रुख को एकतरफा और दबाव की राजनीति कह सकते हैं। आने वाले समय में यह मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अहम भूमिका निभा सकता है।

पाकिस्तान द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता का दुरुपयोग: कश्मीर और ओआईसी का एजेंडा

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता मिलने के बाद पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी छवि चमकाने और भारत विरोधी गतिविधियों को बढ़ने में लगा है। इसके तहत पाकिस्तान कश्मीर मुद्दे को नए सिरे से उठाने की तैयारी में है, साथ ही मुस्लिम देशों के संगठन (ओआईसी) को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर मजबूत करने की भी कोशिश कर रहा है।

पाकिस्तान वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष है। इसी हफ्ते पाकिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय खुली बहस होने वाली है, जिसमें अंतर्राष्ट्रीय झगड़ों के शांतिपूर्ण समाधान पर चर्चा होगी। इस दौरान पाकिस्तान कश्मीर का मुद्दा उठाने की तैयारी में है। 1 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि आसिम इफ्तिखार अहमद ने बयान जारी कर कश्मीर विवाद का हल ढूंढने की बात कही थी। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह पाकिस्तान के इस कदम का मजबूती से जवाब देगा।

इसके अलावा, पाकिस्तान एक और मुहिम में लगा हुआ है, जिसके तहत वह इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) को संयुक्त राष्ट्र में मजबूत करना चाहता है। पाकिस्तानी विदेश मंत्री डार की अध्यक्षता में होने वाली एक अन्य बैठक में ओआईसी और संयुक्त राष्ट्र की साझेदारी पर चर्चा होगी। ओआईसी, जिसकी स्थापना 1969 में हुई थी और जिसमें 57 सदस्य देश हैं, कश्मीर मुद्दे पर लगातार भारत के खिलाफ बयानबाजी करता रहा है, खासकर 2019 में अनुच्छेद 370 हटने के बाद।

भारत ओआईसी और संयुक्त राष्ट्र के बीच इस तरह की साझेदारी को लेकर सहज नहीं है, क्योंकि ओआईसी का भारत के प्रति पूर्व का रवैया ठीक नहीं रहा है। माना जा रहा है कि भारत सुरक्षा परिषद में इस मुद्दे को उठाएगा। नवंबर 2024 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने ओआईसी के साथ अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, मानवाधिकार, आतंकवाद विरोधी और मानवीय मुद्दों पर सहयोग का संकल्प लिया था।

मुल्ला मुनीर की पाकिस्तानी राजनीति में बढ़ती सक्रियता... भारत के लिए अच्छे संकेत नहीं

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान में इन दिनों जनरल असीम मुनीर के सेना प्रमुख के रूप में बढ़ते दबदबे और संभावित राजनीतिक हसरतों को लेकर अटकलें तेज़ हैं, जिससे भारत के लिए कुछ चिंताएं पैदा हो सकती हैं। दरअसल में पाकिस्तान में सैन्य तख्तापलट होना कोई नई बात नहीं है, और देश के इतिहास का लगभग आधा हिस्सा सैन्य शासन के अधीन रहा है। वर्तमान में, मुल्ला मुनीर के राजनीतिक नेतृत्व को दरकिनार कर फ्रंट सीट हथियाने की खबरें इन अटकलों को बढ़ावा दे रही हैं कि वहां सत्ता पर कब्जा कर सकते हैं।

हाल के दिनों में जनरल मुनीर ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की, जबकि पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ अभी तक ट्रंप से नहीं मिल सके हैं। मुल्ला मुनीर अब प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ के बिना ही श्रीलंका और इंडोनेशिया की यात्रा पर जा रहे हैं, जहां वे इन देशों के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात करने वाले है। यह दिखाता हैं कि उन्हें पाकिस्तान में वास्तविक निर्णय लेने वाले नेतृत्व के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। वहीं जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सार्वजनिक रूप से कहा है कि अगर उन्हें जेल में कुछ होता है, तब इसके लिए जनरल मुनीर को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

बात दें कि मुनीर हाल ही में फील्ड मार्शल बने हैं, जो पाकिस्तान के इतिहास में अयूब खान के बाद इस पद को पाने वाले दूसरे सैन्य प्रमुख हैं। अयूब खान देश के पहले तानाशाह बने थे, जिससे मुनीर के अगले अयूब खान बनने की चर्चाएँ तेज़ हो गई हैं। इस घटनाक्रम के बीच प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ ने चुप्पी तोड़कर कहा है कि जनरल मुनीर की राष्ट्रपति बनने की कोई योजना या इच्छा नहीं है। हालाँकि, पाकिस्तान के इतिहास को देखते हुए इस बयान पर कितना भरोसा किया जा सकता है, यह एक सवाल है। पाकिस्तान में हर दिन बदलते हालातों के बीच अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के दौरान प्रधानमंत्री शरीफ को नहीं, बल्कि मुनीर से ही पीछे हटने के लिए कहा था, जो दर्शाता है कि अमेरिका भी पाकिस्तान में उन्हें अहम मानता है।

भारत के लिए चिंता का कारण

अगर पाकिस्तान में सैन्य शासन प्रभावी होता है या सेना का दबदबा बढ़ता है, तब यह भारत के लिए चिंता का विषय हो सकता है। सैन्य-प्रभुत्व वाला पाकिस्तान आमतौर पर भारत के लिए अच्छी खबर नहीं होती है, क्योंकि सैन्य नेतृत्व अक्सर भारत के प्रति अधिक आक्रामक रुख अपनाता है। क्योंकि जनरल मुनीर को ही पहलगाम आतंकी हमले के पीछे का मास्टरमाइंड माना जाता है।

नॉर्डिक द्वीप की अंदरुनी हलचलों से लगातार होता है ज्वालामुखी विस्फोट

लंदन (एजेंसी)। उत्तर अटलांटिक में बसा नॉर्डिक द्वीप देश लगातार ज्वालामुखी विस्फोटों का गवाह बनता आ रहा है। इसका कारण इसकी अनोखी भौगोलिक स्थिति है। आइसलैंड को अक्सर 'आग और बर्फ की भूमि' कहा जाता है। यह नाम इसके ज्वालामुखी गतिविधियों से पूरी तरह मेल खाता है। आइसलैंड मध्य-अटलांटिक रिज पर स्थित है, जहां दो बड़ी टेक्टोनिक प्लेटें उत्तरी अमेरिकी और यूरेशियन लगातार एक-दूसरे से दूर खिसक रही हैं। इस डायवर्जेंट प्लेट बॉउंड्री की वजह से पृथ्वी के अंदर का मैग्मा सतह की ओर उठता है और नई पपड़ी बनाता है। इसी प्रक्रिया के चलते यहां बार-बार ज्वालामुखी फटते हैं।

हाल ही में रेक्जेनेस प्रायद्वीप पर ऐसा ही एक विस्फोट हुआ, जो 2021 से अब तक का 12वां विस्फोट है। यह विस्फोट सुबह 3:54 बजे हुआ, जब मैग्मा ने धरती की पपड़ी को चीरते हुए 700 से 1,000 मीटर लंबी दरार बना दी, जिससे लावा बाहर निकलने लगा। हालांकि यह अपेक्षाकृत छोटा विस्फोट था और इससे किसी बुनियादी ढांचे को नुकसान नहीं हुआ। आइसलैंड के ज्वालामुखी विस्फोटों की एक और प्रमुख वजह इसका एक स्थायी हॉटस्पॉट पर स्थित होना है। यह हॉटस्पॉट पृथ्वी के भीतर मेंटल का एक गर्म भाग है जो ऊपर की ओर उठता है। जब टेक्टोनिक प्लेटें इसके ऊपर से गुजरती हैं तो ज्वालामुखियों की श्रृंखलाएं बनती हैं। आइसलैंड में यह हॉटस्पॉट और टेक्टोनिक गतिविधि मिलकर विस्फोटों की तीव्रता और आवृत्ति दोनों बढ़ा देते हैं।

इसके अलावा, आइसलैंड की सतह पर मौजूद ग्लेशियर भी एक अहम भूमिका निभाते हैं। जब ज्वालामुखी बर्फ के नीचे फटते हैं तो गर्म लावा और ठंडी बर्फ की टक्कर से बेहद खतरनाक विस्फोट होते हैं। इससे राख, गैस और पिघली बर्फ से बनी विनाशकारी बाढ़ यानी 'जोकुलहाप्स' उत्पन्न हो सकती है। इतिहास की बात करें तो आइसलैंड में 9वीं शताब्दी से ज्वालामुखी गतिविधियां रिकॉर्ड की जा रही हैं। 1783 का लाकी विस्फोट और 2010 का एजफ्याल्लाजोकुल विस्फोट न केवल देश पर बल्कि पूरे यूरोप और वैश्विक हवाई यातायात पर असर डाल चुके हैं।

खास बात यह है कि रेक्जेनेस प्रायद्वीप लगभग 800 वर्षों तक शांत था, लेकिन 2021 से यहां फिर से गतिविधि शुरू हो गई है। दिसंबर 2023 के बाद से यह नौवां विस्फोट हो चुका है, जिनमें से अधिकांश एक जैसे पैटर्न पर हुए हैं भूकंपीय झटके, मैग्मा का ऊपर उठना, दरार का खुलना और चमकते लावे का प्रवाह। इन प्राकृतिक घटनाओं के अपने खतरे हैं, जैसे हवाई उड़ानों पर असर और बुनियादी ढांचे को नुकसान, लेकिन यह आइसलैंड के लिए अवसर भी लेकर आते हैं। भूमिगत गर्मी से जियोथर्मल ऊर्जा का दोहन यहां बड़े पैमाने पर होता है, जिससे देश की लगभग 25प्रतिशत बिजली और 90 प्रतिशत घरों की हीटिंग जरूरतें पूरी होती हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जिसे पुलिस मृत समझ रही थी, वही निकला हत्यारा

‘ससुराल सिमर का...’ से प्रेरित होकर 2 लाख के बीमे के लिए दोस्त की हत्या की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की सचिन पुलिस ने एक ऐसे चौंकाने वाले हत्या के मामले का खुलासा किया है, जिसमें शुरू में मृतक समझा जाने वाला व्यक्ति ही अपने दोस्त का हत्यारा निकला। 2 लाख की बीमा राशि हड़पने और लोन की किस्तों से छुटकारा पाने के लिए, दो ट्रकों के मालिक ने ‘ससुराल सिमर का’ नामक टीवी सीरियल से प्रेरणा लेकर अपने ही 10 साल पुराने दोस्त की हत्या कर दी।

शुरुआत में आरोपी ने खुद के सड़क दुर्घटना में मारे जाने का नाटक रचा था, लेकिन पुलिस ने CCTV फुटेज और कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) की मदद से पूरे षड्यंत्र का पर्दाफाश कर दिया। पुलिस ने आरोपी, उसकी पत्नी और उसे मदद करने वाले दोस्त को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

बीते 14 जुलाई को सणिया से खंभासला गांव की ओर जाने वाले रास्ते पर, जनकभाई की वाड़ी के पास सार्वजनिक सड़क पर किसी अज्ञात वाहन चालक ने शिवकुमार उर्फ महाराज रामनारायण मिश्रा को टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई — ऐसा मामला सामने आया था।

सचिन पुलिस ने इसे दुर्घटना में हुई मौत मानते हुए केस दर्ज कर जांच शुरू की।

लेकिन घटनास्थल से कोई दोपहिया या चारपहिया वाहन गुजरने या कोई पैदल व्यक्ति के आने-जाने के सबूत नहीं मिले। जब पुलिस मृतक शिवकुमार के घर उसकी पत्नी मीनादेवी को उसके “दुर्घटना में मौत” की सूचना देने पहुंची, तो उनका प्रतिक्रिया संदिग्ध लगी। पत्नी को पति की मौत का कोई दुख नहीं था, बल्कि वह बार-बार 2 लाख की बीमा राशि कब मिलेगी, यही पूछ रही थी। यहीं से पुलिस को शुरुआत से ही शक होने लगा।

CCTV और GPS ट्रैकिंग से खुला राज़ पुलिस ने आसपास के CCTV कैमरों की जांच शुरू की। एक मंदिर के CCTV फुटेज में ट्रक किस दिशा से आया था, इसका सुराग मिला। अलग-अलग टीमें बनाकर पूरे रूट के कैमरों की जांच की गई। जांच के दौरान पता चला कि मृतक शिवकुमार घटना से एक रात पहले पांडेसरा और वडोद में एक व्यक्ति के साथ एक्टिवा पर देखा गया था।

इसके अलावा, कडोदरा-बारडोली रोड पर स्थित सर्वोत्तम होटल के पास इंडियन पेट्रोल पंप के कैमरे में मृतक की एक्टिवा और उसकी ट्रक संदिग्ध रूप से देखी गई। ट्रक में मृतक ने डीजल भरवाया और एक अज्ञात व्यक्ति को ट्रक में बैठाकर वहां से रवाना हुआ — ऐसा सामने आया।

मृतक की पत्नी से पूछताछ करने पर उसने बताया कि उसके पति के पास दो सिम कार्ड वाला मोबाइल था और ट्रक में GPS भी लगा हुआ था। पुलिस को एक मिसिंग सिम नंबर भी मिला।

जब ट्रक के GPS लोकेशन और मिसिंग सिम नंबर की कॉल डिटेल खंगाली गई, तो पता चला कि शिवकुमार की पुणे में रहने वाले उसके दोस्त मोनू गौतम से बातचीत हो रही थी।

इसके बाद सचिन पुलिस ने तुरंत एक टीम को पुणे रवाना किया। जब वहां जाकर जांच की गई, तो पुलिस भी हैरान रह गई, क्योंकि जिसे वे मृतक शिवकुमार उर्फ महाराज रामनारायण मिश्रा समझ रही थी, वह व्यक्ति जीवित मिला।

पुलिस कमिश्नर अनुपम सिंह गेहलोत ने बताया कि कर्ज के बोझ तले दबे शिवकुमार टीवी सीरियल ‘ससुराल सिमर का’ देखा करता था। इस सीरियल में एक पात्र जीवित होते हुए भी मरा हुआ घोषित कर बीमा राशि हड़प लेता है। इसी से प्रेरणा लेकर शिवकुमार ने अपनी 2 लाख की LIC बीमा पॉलिसी की राशि हड़पने और EMI से छुटकारा पाने के लिए यह साजिश रची।

उसने अपने 10 साल पुराने दोस्त देविप्रसाद शिवप्रसाद पाल को निशाना बनाया, जो सूरत में अकेला रहता था और जिसके कोई सगे-संबंधी नहीं थे। 10 जुलाई को सीरियल देखने के बाद उसने यह योजना बनाई और 14 जुलाई को देविप्रसाद को शराब पिलाई। इसके बाद उसे गांव के पास सुनसान जगह पर ले जाकर ट्रक के नीचे लिटा दिया और ट्रक के पिछले टायर को उसके चेहरे पर चढ़ा दिया, ताकि उसकी पहचान न हो सके और उसकी मौत हो जाए।

पुलिस ने शिवकुमार उर्फ महाराज रामनारायण मिश्रा, उसकी पत्नी मीनादेवी शिवकुमार उर्फ महाराज रामनारायण मिश्रा और उसे मदद करने वाले पुणे निवासी मित्र मोनू चंद्रबली गौतम को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पत्नी से पूछताछ करने पर उसने बताया कि उसके पति के पास दो सिम कार्ड वाला मोबाइल था और ट्रक में GPS लगा हुआ था।

पुलिस को एक मिसिंग सिम नंबर भी मिला। ट्रक के GPS लोकेशन और मिसिंग सिम नंबर की कॉल डिटेल जांचने पर यह सामने आया कि शिवकुमार की पुणे में रहने वाले उसके दोस्त मोनू गौतम से बातचीत हो रही थी। इसके बाद सचिन पुलिस ने तुरंत एक टीम को पुणे रवाना किया।

जब वहां जाकर जांच की गई, तो पुलिस भी हैरान रह गई, क्योंकि जिसे वे मृतक शिवकुमार उर्फ महाराज रामनारायण मिश्रा समझ रही थी, वह व्यक्ति जीवित मिला।

सूरत में बीजेपी कार्यालय की लड़ाई पहुंची सामान्य सभा तक

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के बीजेपी कार्यालय में दो भाजपा पार्षदों के बीच हुई लड़ाई अब नगर निगम की सामान्य सभा तक पहुँच गई है। हालांकि इस बार सीधे झगड़ा नहीं हुआ, लेकिन पुराने विवाद से जुड़ी टिप्पणी ने फिर से माहौल गरमा दिया। विपक्षी पार्षद द्वारा “लारी-गल्ला चेयरमेन” कहे जाने पर बीजेपी पार्षद आपा खो बैठे और मारपीट की नौबत आ गई। इसके बाद मेयर ने विपक्षी पार्षद को सस्पेंड कर सभी प्रस्ताव पास करा लिए।

कुछ दिन पहले भाजपा कार्यालय पर पार्षद दिपन देसाई ने भाजपा के ही पार्षद व्रजेश उंडकट को लेकर “लारी-गल्ला समिति का चेयरमेन” कहकर तंज कसा था, जिससे दोनों में गाली-गलौज हो गई थी। महिला पार्षदों के सामने गाली-गलौज होने पर बीजेपी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया था, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। हाल ही में प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल ने दिपन देसाई को फटकार भी लगाई थी।

सामान्य सभा में जब व्रजेश उंडकट बोलने उठे, तब विपक्षी पार्षद विपुल सुहागिया ने व्यंग्य करते हुए कहा, “लारी-गल्ला वाले चेयरमेन को बोलने से रोको।” इससे पहले कि व्रजेश जवाब देते, दिपन देसाई गुस्से में विपुल सुहागिया को मारने दौड़ पड़े, जिससे सभा में भारी हंगामा मच गया।

विपक्ष की महिला पार्षदों ने मेयर से शिकायत की कि भाजपा पार्षद गालियाँ दे रहे हैं। इसके बाद मेयर ने विपुल सुहागिया से अपनी टिप्पणी वापस लेने को कहा, लेकिन जब उन्होंने मना कर दिया तो उन्हें निलंबित कर दिया गया। इसके साथ ही हंगामे के बीच सभी प्रस्ताव भी पास करवा लिए गए।

बताया जा रहा है कि हाल ही में प्रदेश अध्यक्ष द्वारा फटकारे जाने के कारण दिपन देसाई पहले से ही तनाव में थे और जब विपक्ष ने उसी पुराने मुद्दे को छेड़ा, तो वे आपा खो बैठे और हमला करने दौड़ पड़े। इस घटना को लेकर नगर राजनीति में चर्चा का विषय बना हुआ है।

सूरत के पांडेसरा क्षेत्र पिता द्वारा मोबाइल न देने पर 17 वर्षीय बेटे ने की आत्महत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के पांडेसरा इलाके से एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले 17 वर्षीय किशोर ने अपने पिता द्वारा मोबाइल फोन न देने पर आत्महत्या कर ली। इस घटना ने पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश की लहर फैला दी है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, पांडेसरा क्षेत्र में रहने वाला यह किशोर 12वीं कक्षा का छात्र था। हालांकि वह पढ़ाई पर ध्यान देने के बजाय ज्यादातर समय मोबाइल फोन पर ही व्यस्त रहता था। इस बात को लेकर उसके पिता ने उसे डांटा और उसे नया मोबाइल देने से इनकार कर दिया। पिता के इस फैसले से नाराज़ होकर किशोर ने आत्मघाती कदम उठा लिया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

यह घटना एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर करती है कि युवाओं में मोबाइल की लत कितनी खतरनाक हो सकती है। यह घटना इस बात पर भी जोर देती है कि माता-पिता को अपने बच्चों के मोबाइल उपयोग पर ध्यान देना कितना आवश्यक है।

सूरत के पास कोसाड़ी गांव में कुत्तों ने 6 साल की बच्ची को नोच-नोचकर मार डाला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत जिले में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बना हुआ है। मांगरोल तालुका के कोसाड़ी गांव में एक और मासूम बच्ची आवारा कुत्तों का शिकार बन गई। कोसाड़ी गांव की आंगनवाड़ी में शौचालय गई 6 वर्षीय शिवांगी सतीश वसावा पर तीन आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया और उसे बुरी तरह नोच डाला। गंभीर रूप से घायल बच्ची को तुरंत इलाज के लिए ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना ने पूरे गांव में शोक की लहर फैला दी और बच्ची के मेहनतकश परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सतीश वसावा की 6 वर्षीय बेटी शिवांगी कोसाड़ी गांव की आंगनवाड़ी में पढ़ती थी। आज, 22 जुलाई को वह आंगनवाड़ी परिसर में शौचालय के लिए अकेले गई थी, तभी अचानक तीन आवारा कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। कुत्तों ने उसे बुरी तरह नोच डाला। बच्ची की चीखें सुनकर वहां से गुजर रहा एक युवक उसकी मदद के लिए दौड़ा। उसने कुत्तों को भगाकर बच्ची को गंभीर अवस्था में बचाया।

युवक के चिल्लाने की आवाज सुनकर स्कूल का स्टाफ और गांववाले मौके पर पहुंचे और घायल शिवांगी को तुरंत पास के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालांकि, कुत्तों के हमले में बच्ची को इतनी गंभीर चोटें आई थीं कि थोड़े समय के इलाज के बाद उसकी मौत हो गई।

इस घटना से मेहनतकश वसावा परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई है। मजदूरी करके जीवन चलाने वाले इस दंपती के लिए यह हादसा असहनीय दुख लेकर आया है। गौरतलब है कि पिछले दो महीनों में सूरत जिले में आवारा कुत्तों के हमलों में तीन निर्दोष लोगों की जान जा चुकी है, जिससे प्रशासन की लापरवाही और बढ़ते कुत्ता आतंक पर गंभीर सवाल उठते हैं।

4 करोड़ रुपये की लेन-देन को लेकर

वेसु के कपड़ा दलाल का मुंबई के होटल से अपहरण फिरौती के रूप में 50 लाख की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वेसु इलाके के रहने वाले एक कपड़ा दलाल का, मुंबई में 4 करोड़ की लेन-देन के विवाद को लेकर होटल से अपहरण कर लिया गया और मारपीट कर 50 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई। अपहरणकर्ताओं ने उससे 1.20 लाख रुपये के गहने भी छीन लिए। मामला पुलिस में पहुंचते ही आरोपियों ने दलाल को छोड़ दिया। वेसु पुलिस ने मुंबई पुलिस की मदद से दो अपहरणकर्ताओं को हिरासत में लिया है।

वेसु की श्रृंगार रेसिडेंसी के सामने शिव कार्तिक एन्क्लेव में रहने वाले कपड़ा दलाल रोहित चंदनमलजी जैन (40), मूल निवासी - वीरवाड़ा, सिरोही, राजस्थान,शनिवार दोपहर 2 बजे काम के सिलसिले में मुंबई रवाना हुए थे। रात 11 बजे उन्होंने अपनी पत्नी पायल को कॉल कर बताया कि वे मुंबई पहुंच चुके हैं और होटल में ठहरे हैं।

लेकिन अगले दिन जब पायल ने कॉल किया, तो दोनों मोबाइल स्विच ऑफ मिले। उन्होंने मुंबई में रहने वाले दोस्त

मेहुल से संपर्क कर रोहित का पता लगाने को कहा। मेहुल जब मुंबई के साना होटल पहुंचा, तो वहां पता चला कि सुबह करीब पौने तीन बजे रोहित ने चेकआउट किया था और दो अज्ञात लोग जबरदस्ती उन्हें कार में बैठाकर ले गए थे। यह पूरी घटना होटल के सीसीटीवी में कैद हो चुकी थी।

इसके कुछ ही समय बाद दो अज्ञात व्यक्ति रोहित के सूरत स्थित घर पहुंचे और अपने फोन से पायल को रोहित से बात करवाई। फोन पर रोहित ने कहा - “मैं कहां हूं मुझे नहीं पता, लेकिन हमें 50 लाख रुपये देने हैं। रिश्तेदारों से पैसे जुटाओ, नहीं तो तकलीफ होगी। जब मैं दोबारा फोन करूं, तो ‘ओके’ कह देना, और कोई व्यक्ति पैसे लेने आएगा।”

इसके बाद उन दोनों ने पायल को धमकी दी कि अगर वह अपने पति को छुड़ाना चाहती है, तो 50 लाख रुपये देने होंगे। दो घंटे बाद वे फिर लौटे और फिर से रोहित और पायल के बीच बात करवाई गई। इस बार रोहित के कहने पर पायल ने अपने 1.20 लाख रुपये के सोने के गहने उन्हें सौंप दिए।

इसके बाद पायल अपनी मां के साथ वेसु पुलिस स्टेशन पहुंचीं। उसी समय एक अपहरणकर्ता फिर से घर आकर पैसों की मांग कर रहा था, लेकिन मामला पुलिस तक पहुंचते ही रोहित को छोड़ दिया गया। अब वेसु पुलिस ने मुंबई पुलिस की सहायता से दो अपहरणकर्ताओं को पकड़कर सूरत लाने की तैयारी शुरू कर दी है।

दो महीने पहले भी रोहित जैन का अपहरण किया गया था। उस समय “चिराग” और “राहुल” नाम के व्यापारियों ने उन्हें उठाया था और 2 लाख रुपये वसूलकर छोड़ दिया था। लेकिन तब मुंबई में कोई शिकायत दर्ज नहीं करवाई गई थी।

पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि अपहरण की वजह 4 करोड़ रुपये की लेन-देन है। जिन व्यापारियों से रोहित ने माल मंगवाया था, उन्होंने भुगतान नहीं किया, और रोहित जैन ने भुगतान की जिम्मेदारी ली थी। इसलिए लेनदार व्यापारियों ने उनसे उगाही शुरू कर दी थी।

चौंकाने वाली बात यह है कि दो महीने पहले अपहरण करने वाले व्यापारी और अब हाल ही में अपहरण करने वाले दोनों आपस में परिचित हैं। इससे पूरे नेटवर्क और साजिश की गहराई की जांच अब पुलिस के लिए चुनौती बन गई है।

“रिमझिम गिरे सावन” सावन सिंधारा का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा सावन महीने के उपलक्ष्य में “रिमझिम गिरे सावन” सावन सिंधारा का आयोजन मंगलवार को दोपहर दो बजे से सिटीलाइट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के पंचवटी हॉल में किया गया। महिला शाखा अध्यक्षा रुचिका रुंगटा ने बताया कि आयोजन में लगभग 400 महिलाओं ने गांव और शहर के परिधानों में सजधज कर हिस्सा लिया। आयोजन में महिलाओं का बड़े ही भव्य रूप से स्वागत किया गया।

आयोजन में महिलाओं को अनेकों गेम खिलाए गए साथ ही ड्रामा, डांस, रैंपवॉक, आदि का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण मेहंदी टैटू, मोबाइल स्ट्रिंग और नेल आर्ट रहे। आयोजन में कृष्ण-राधा की जीवंत झांकी में सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में महिला शाखा की प्रीति गोयल, अनुराधा जालान, शालिनी चौधरी, दीपाली सिंघल, अरुणा अग्रवाल, मेघना गोयल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।